वर्षः 7- अंकः 136, मुंबई, बुधवार, 19 जुलाई, 2017 , मूल्यः1 रु. ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस.खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

अब हर सच होगा उजागर

COMING SOON

अबु सलेम की दुल्हनियां

मुंबई। 24 साल पहले 1993 में मुंबई बम धमाकों के दोषी गैंगस्टर अबू सलेम ने शादी के लिए पैरोल या अस्थायी जमानत की अर्जी कोर्ट में लगाई है। बीते माह ही सलेम को मुंबई बम धमाके मामलों में दोषी ठहराया गया है। सलेम का कहना है कि उसे रजिस्ट्रार के दफ्तर जाकर शादी की रस्म अदा करनी है। सलेम ने अपनी अर्जी में दो हाईकोर्टों के आदेशों का हवाला देते हुए दावा किया है कि दोषियों को शादी करने के लिए इस तरह की राहत दी जा सकती है। एक 26 वर्षीय महिला ने जून, 2015 में विशेष टाडा अदालत में अर्जी दाखिल कर गैंगस्टर सलेम से विवाह करने की अनुमति मांगी थी। सलेम भी अब उस महिला से शादी को राजी है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

सलेम के बिजनेस को संभालती है नई बेगम

अबू सलेम की नई बीवी का नाम कौसर बताया जा रहा है और वह 27 साल की है। सुनवाई के दौरान अक्सर टाडा कोर्ट में देखी जाती है। चर्चा यह भी है कि अबू की नई पत्नी मुंबई में उसके नाममात्र के बचे-खुचे 'बिजनेस' को संभालती है। दोनों की मुलाकत सुनवाई के दौरान हुई थी। वो लड़की हर सुनावाई में पहुंचती थी और इसी दौरान दोनों में प्यार हो गया था।

तीसरी शादी

अबू सलेम की ये तीसरी शादी बताई जा रही है, क्योंकि इससे पहले वो समीरा से शादी करके उसे तलाक दे चुका है और बॉलीवुड एक्ट्रेस मोनिका बेदी से भी शादी को लेकर चर्चा में रह चुका है। बताया जाता है कि सलेम शुरू से ही आशिकमिजाजी के लिए मशहूर रहा है।

मायावती ने दिया राज्यसभा से इस्तीफा

नई दिल्ली। बसपा प्रमुख मायावती ने मंगलवार को राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया। वे इस बात से गुस्सा थी कि उन्हें राज्यसभा में बोलने नहीं दिया गया। मायावती जब इस्तीफा देने राज्यसभा चेयरमैन के दफ्तर पहुंची तो उनके पीछे राज्यसभा में विपक्ष के नेता गुलाम नबी आजाद और कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला भी पहुंच गए। उनकी अपनी पार्टी के राज्यसभा सांसद सतीश चंद्र मिश्रा भी माया के पीछे पहुंचे। (शेष पृष्ठ 5 पर)

शिवसेना के आरोपों पर गोपाल गांधी की सफाई

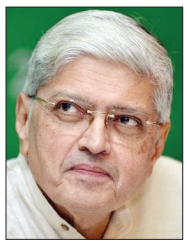

मुंबई। मुंबई धमाकों के आरोपी याकूब मेमन को फांसी ना दिए जाने का समर्थन करने पर यूपीए के उप-राष्ट्रपति चुनाव के कैंडिडेट गोपाल कृष्ण गांधी ने सफाई दी है। गोपाल गांधी ने कहा, मौत की सजा दिया जाना मिडीवल (मध्यकालीन) और गलत है। मैंने महात्मा गांधी और बाबासाहब अम्बेडकर से प्रेरणा लेकर मेमन की दया याचिका का समर्थन किया था। (शेष पृष्ठ 5 पर)

शुध्द घी में बना
केसरीया मलाई घेवर
MM MITHAIWALA
MALAD (W),TEL.: 288 99 501

मुंबई में आफत की बारिश

दहशत में लोग

(पढ़ें पृष्ठ 3 पर)

मालाड (प.) का गार्डेन बार

देवेंद्र फडनवीस मुख्यमंत्री

अजोय मेहता मनपा आयुक्त

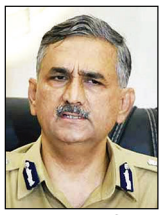

दत्तात्रय पडसलगिकर मुं. पुलिस कमिश्नर

हिंदू संगठनों में भारी आक्रोश

मोर्चा-प्रदर्शन की तैयारी

बीएमसी और पुलिस की खामोशी पर सवालिया निशान!

मुंबई। मालाड (प.) में एसवी रोड स्थित गार्डेन बार के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होते देख हिंदू संगठनों में भारी आक्रोश है। इसके कार्यकर्ता अब मोर्चा और प्रदर्शन करने के मूड में आ गये हैं। ताकि बीएमसी और पुलिस की आंख खुल जाये और हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले इस बार के खिलाफ तत्काल कार्रवाई हो सके। (शेष पृष्ठ 5 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सरकार स्पष्ट करे कि क्या दही हांडी एक खेलकूद है: कोर्ट

मुंबई, बॉम्बे हाई कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार से कहा है कि वह यह स्पष्ट करे कि दही हांडी एक साहसिक खेलकूद है। न्यायाधीश आर.एम सावंत और न्यायाधीश साधना जाधव ने यह स्पष्टता उस याचिका की सुनवाई के दौरान मांगी है, जिसमें दही हांडी के आयोजन पर सवाल उठाए गए हैं।

गौरतलब है कि यह मामला सुप्रीम कोर्ट में भी है, क्योंकि महाराष्ट्र सरकार ने हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है जिसमें दही हांडी पर बनने

वाली मानव श्रृंखला की ऊंचाई अधिकतम 20 फीट रखने को कहा गया था। यह आदेश हाई कोर्ट ने 11 अगस्त, 2014 को दिया था। सरकार द्वारा दही हांडी को साहसिक खेलकूद करार देने के 11 अगस्त, 2015 को जारी सरकारी प्रस्ताव का जिक्र करते हुए कोर्ट ने यह स्पष्टता मांगी है।

कोर्ट ने यह भी पूछा है कि क्या सरकार ने और भी कोई सरकारी प्रस्ताव जारी किया है। 'क्या दही हांडी एक साहसिक खेलकूद है'? इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट में 1 अगस्त को सुनवाई है, इसलिए हाई कोर्ट ने यह मामला सुनवाई के लिए 4 अगस्त को रखा है।

यूपी को बिजली देकर 600 करोड़ रुपये कमाए

मुंबई, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक जैसे राज्यों को बिजली सप्लाई कर महाराष्ट्र सरकार ने 600 करोड़ रुपये की कमाई की है। कभी बिजली की कमी झेल रहे महाराष्ट्र में अब खपत से ज्यादा बिजली का उत्पादन हो रहा है।

बरसात के मौसम में बिजली की खपत कम होती है। इस समय मुंबई समेत राज्य भर में करीब 16000 मेगावाट बिजली की खपत हो रही है। गर्मियों में बिजली की खपत सबसे ज्यादा होती है। इस साल करीब 23,000 मेगावाट का उपयोग गर्मियों में किया गया। अप्रैल-मई के बीच महाराष्ट्र में सरप्लस बिजली का उत्पादन हुआ है जिसे महाराष्ट्र ने उत्तर प्रदेश और कर्नाटक को बेचा। इससे सरकार को 600 करोड़ रुपये मिले। मुंबई में प्रतिदिन 2923 और शेष महाराष्ट्र में 12,827 मेगावाट बिजली की खपत हो रही है, जबकि इस बार गर्मियों में यह आकड़ा 19500 (शेष महाराष्ट्र) व 3500 (मुंबई) मेगावाट रहा।

सरकार और अडानी के साथ हुए करार के कारण चंद्रपुर के पावर प्लांट से सरकार ने 2100 मेगावाट बिजली खरीदी। महाराष्ट्र ने बिजली उत्पादन की कुल क्षमता करीब 40,000 मेगावाट तक है, लेकिन फिलहाल 22000 मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है। इस समय राज्य में बिजली की खपत करीब 16000 मेगावॉट है।

तीन साल में बढ़ा बिजली उत्पादन

एक ऐसा भी दौर था जबकि महाराष्ट्र भारी बिजली की कमी से जूझ रहा था। आज स्थिति एकदम विपरीत है। मांग की तुलना में बिजली का उत्पादन ज्यादा है। सन 2011-12 में व्यस्त समय में 14,043 मेगावाट की मांग रहती थी जबकि आपूर्ति 12,841 मेगावाट की और 2015-16 में 15,893 मेगावाट बिजली की मांग थी जबकिआपूर्ति 15,750 मेगावाट की थी। महाराष्ट्र में बिजली की कमी उन्ही क्षेत्रों में है जहां बिजली बिल नहीं भरे जाते। दरअसल बिजली के उत्पादन पर फडणवीस सरकार ने विशेष ध्यान दिया। बिजली चोरी पर लगाम लगाया जिससे विभाग को दोतरफा फायदा हो रहा है।

नियम के अनुसार हुई थी संजय दत्त की समय पूर्व रिहाई

मुंबई, महाराष्ट्र सरकार ने अभिनेता संजय दत्त की समय पूर्व रिहाई करने में नियमों का पूरी तरह पालन किया है। उन्हें किसी भी तरह की विशेष सुविधा नहीं दी गई है। राज्य सरकार ने बांबे हाई कोर्ट को सौंपी अपनी रिपोर्ट में यह दावा किया

है। इसके जरिये सरकार ने 1993 बम धमाकों में मामले में सजा पाए संजय दत्त को आठ महीने पहले रिहा करने के अपने फैसले को जायज ठहराया है। हथियार रखने के जुर्म में संजय दत्त को पांच साल कैद की सजा सुनाई गई थी। संजय के पास से बरामद हथियार 1993 बम धमाकों में इस्तेमाल हथियारों के जखीरे का हिस्सा थे। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा उनका अपराध बरकरार रखने के बाद संजय दत्त ने मई 2013 में आत्मसमर्पण कर दिया था। इसके बाद सजा काटने के लिए संजय को पुणे की यरवदा जेल भेज दिया गया था। वहां अच्छे आचरण को देखते हुए निर्धारित सजा के पूरा होने से आठ महीने पहले ही फरवरी, 2016 में उन्हें रिहा कर दिया गया था।

त्योहारी मौसम में ध्वनि प्रदूषण पर कोर्ट की चेतावनी

मुंबई, बॉम्बे हाई कोर्ट ने ध्वनि प्रदूषण संबंधी अपने मानकों का उल्लंघन करने पर महाराष्ट्र सरकार को कड़ी चेतावनी देते हुए नियमों का पालन करने को कहा है। कोर्ट का कहना है कि त्योहारी मौसम के दौरान शांत क्षेत्रों में लाउडस्पीकर का उपयोग किया जाता है, जो कानफोडू प्रदूषण पैदा करता है।कोर्ट ने सरकार से कहा कि उसने पिछले साल अगस्त में सरकार से कहा था कि वह शांत क्षेत्रों में लाउडस्पीकर का उपयोग न करने को सुनिश्चित करे। महाराष्ट्र सरकार ने इसका पालन करने की बजाए हाई कोर्ट के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी और सुप्रीम

कोर्ट ने भी सरकार की अपील को नहीं माना और भारत के मुख्य न्यायाधीश ने इस अपील को खारिज कर दिया। अब यह मामला हाई कोर्ट के समक्ष है और इसकी सुनवाई जज अभय ओक और जज विभा कनकनवाड़ी कर रहे हैं। ध्वनि प्रदूषण को रोकने संबंधी याचिका एनजीओ आवाज फाउंडेशन ने दायर की है।

लोकल स्टेशनों पर तैयार हो रहे हैं मॉर्डन टॉइलट

मुंबई, उपनगरीय स्टेशनों पर यात्रियों को स्टेशन परिसर में बदबूदार शौचालयों से निजात मिलने वाली है, क्योंकि कॉपोर्रेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के तहत अधिकांश स्टेशनों पर टॉइलट्स का नूतनीकरण हो रहा है। पश्चिम रेलवे के एलफिंस्टन रोड और लोअर परेल स्टेशन तथा मध्य रेलवे के दादर और विक्रोली स्टेशन पर नए टॉइलट बनकर तैयार हैं। पश्चिम रेलवे के दादर, माहिम और चर्नी रोड स्टेशन पर शौचालय नवीनीकरण का काम चल रहा है, जबकि मध्य रेलवे पर 20 शौचालयों का नूतनीकरण किया जा रहा है। इनमें से अधिकांश टॉइलट रोटरी इंटरनैशनल के सौजन्य से बनाए जा रहे हैं।

रोटरी इंटरनैशनल की विनोद जैन के अनुसार, 'हम नित्यम टॉइलट प्रॉजेक्ट्स के लिए मध्य और पश्चिम रेलवे पर लगभग 2 करोड़ रुपये खर्च कर रहे हैं। स्टेशनों पर शौचालयों की लचर हालत को लेकर कई बार शिकायतें होती हैं।' इस प्रॉजेक्ट से जुड़े अगस्ती एनजीओ के सहेज मंत्री बताते हैं, 'मध्य रेलवे दादर स्टेशन के प्लैटफॉर्म क्रमांक 4 पर (पनवेल छोर) और विक्रोली स्टेशन के प्लैटफॉर्म क्रमांक 2 (ठाणे छोर) पर नए शौचालय उपलब्ध कराए जा चुके हैं। प्रत्येक शौचालय के नूतनीकरण के लिए 3-4 माह लगते हैं।'

नए टॉइलट की 'हाइजैनिक' बातें

मुंबई अर्बन ट्रांसपोर्ट प्रॉजेक्ट (एमयूटीपी) के तहत खरीदे गए नए पर्पल रैक की तर्ज पर इन दोनों नए टॉइलट्स को थीम दी गई है। नए टॉइलट ब्लॉक्स की दीवारों को कुछ इस तरह से बनाया गया है कि दाग भी नहीं दिखेंगे और हमेशा नए भी दिखेंगे। इसके अलावा ब्लॉक्स का पैंट और फ्लोरिंग दोनों ऐंटि-फंगल, ऐंटि बैक्टीरियल है। इन सभी बातों के अलावा टॉइलट्स में सही वेंटिलेशन के लिए मॉर्डन एक्जॉस्ट फैन लगाए गए हैं। बड़े पाइप और इलेक्ट्रिकल वायरिंग को नए तरीके से फिट किया गया है। पाइप को दीवारों में कंसील्ड किया गया है जिससे टॉइलट को साफ करना आसान होगा, इसके अलावा पाइप चोरी होने का डर भी खत्म होगा।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-दिलशाद एस खान द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:9619102478 /9769659975 कार्यकारी संपादक - सी हरीश
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मुंबई में आफत की बारिश, दहशत में लोग

मुंबई। करीब 15 दिन के अंतराल के बाद मुंबई और कोकण इलाके में भारी बारिश शुरू हो गयी है। लगातार दो दिन से हो रही बारिश के कारण मुंबई और उससे सटे कल्याण, भिवंडी, ठाणे, वसई और पालघर इलाके में सड़कों पर पानी भर गया है और बरसाती नदी और नाले उफन रहे है। मौसम विभाग ने अगले 48 घंटे तक भारी बारिश की चेतावनी दी है। इसके साथ ही अगले दो दिन समुद्र में ज्वार आने की भी संभावना है यानि समंदर में ऊंची लहरे उठेंगी। जाहिर है इस दौरान शहर के नालों का पानी समंदर में जाने के बजाय वापस आ सकता है। अगर ऐसा होता है तो महानगर और उसके आसपास के इलाकों को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। मुंबई इसके पहले 26 जुलाई 2005 में सबसे भीषण बारिश और बाढ़ का मंजर देख चुकी है, जिसमें तीन दिन तक शहर पानी में डूबा रहा। उस बारिश के बाद से जब भी बारिश और ज्वार साथ आती है तो स्थानीय लोगों को डर सताने लगता है। उस बारिश में एक हजार से ज्यादा लोग मारे गये थे और लाखों की संपत्ति का नुकसान हुआ था। उस समय बाढ़ की सबसे बड़ी

वजह नालों की सफाई न होना, पानी निकासी का रास्ता न होना और समंदर से पानी का वापस आना मानी गयी थी। अब फिर से बारिश के कारण मुंबई के कई इलाकों में पानी भरना शुरू हो गया है। जगह-जगह ट्रैफिक जाम के कारण लोगों को ये हफ्ता भारी पड़ रहा है। इस बीच मुंबई के सटे भिवंडी में नदी में बाढ़ के कारण ग्रामीण इलाकों का संपर्क भी कट गया है। सरकार ने एनडीआरएफ और नेवी को अलर्ट रहने को कहा है। बारिश के कारण पालघर वसई से लगे अहमदाबाद मुंबई हाइवे पर भी ट्रैफिक काफी धीमा है। साथ ही अहमदाबाद जाने वाली ज्यादातर ट्रेनें धीमी और देर से चल रही हैं। इस रूट पर वलसाड और बड़ौदा में भी भारी बारिश के कारण पटरियों पर पानी आ गया है। सबसे ज्यादा मुश्किल कोकण रेलवे पर हो रही है जहां अभी से कई जगहों पर रेलवे रूट पर चट्टान खिसकने और पानी भरने के कारण ट्रेनों की रफ्तार धीमी हो गयी है। रत्नागिरी, सिधुदुर्ग और कणकवली इलाकों में पहाड़ी नाले और नदियां उफान पर हैं। कई बांध ओवरफ्लो हो रहे हैं। जाहिर है इस बारिश में संभलकर रहना होगा।

मॉनसून से होने वाली बीमारी से मुंबईकर बेहाल

जुलाई में स्वाइन फ्लू से 5 की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में पिछले दो सप्ताह में एच1एन1 इंफ्लुएंजा से पीड़ित पांच लोगों की मौत हो चुकी है और दो लेप्टोस्पिरोसिस की चपेट में आ चुके हैं। सिटी सिविक अस्पताल ने ये जानकारी दी। बीएमसी के द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, जुलाई महीने के पहले पखवाड़े में सिविक अस्पतालों में एच1एन1 के 250 मामले दर्ज किये गए हैं जबकि 5 एयरबोर्न संक्रमण से पीड़ित हैं।

जनवरी से अब तक एच1एन1 पीड़ितों की संख्या में 874 की वृद्धि हुई है जिनमें केवल मुंबई में 672 मामले हैं और बचे 202 मुंबई के बाहरी इलाकों से हैं। बीएमसी अधिकारी ने बताया, सिविक बॉडी मॉनसून में इस तरह के बीमारियों से लडने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा, तापमान

में उतार-चढ़ाव और हवा में नमी की उच्च मात्रा इस तरह के रोगों का कारण है इसके लिए लोगों को इससे बचने की सलाह दी जाती है। स्वाइन फ्लु एक तरह से सांस से संबंधित बीमारी है जिसमें बुखार, कफ, गले का दर्द, शरीर दर्द और थकान जैसे लक्षण पाए जाते हैं। फ्लु के अलावा भी शहर में मॉनसून संबंधित दूसरे बीमारियों के केस भी दर्ज किये जा रहे हैं। जुलाई 1 से 15 के बीच 309 मलेरिया, 544 गैस्ट्रोएंटेराइटिस, 23 लेप्टोपिरोसिस और 28 डेंग्यु के मरीज पाए गए हैं। कंजुरमार्ग के एक सब्जी बेचने वाले और माटुंगा के एक इलेक्ट्रिशियन की पिछले 15 दिनों में लेप्टोस्पिरोसिस से मौत हो चुकी है। यह एक बैक्टीरियल संक्रमण से होने वाली बीमारी है जो चूहों और कूत्तों के मूत्र के साथ दूषित पानी से फैलता है। दोनों शराब के आदी थे और उन्हें तीन-चार दिनों से बुखार और उल्टियां होने के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बीएमसी के पब्लिक हेल्थ विभाग के अधिकारी ने लोगों को हिदायत देते हुए कहा, इसमें घबराने की कोई बात नहीं है, अगर इस प्रकार के लक्षण पाए जाते हैं तो सबसे पहले डॉक्टर से इसकी जांच और इलाज अवश्य करायें।

बालवाड़ियों का कायापलट करने का मनपा ने लिया निर्णय

मनपा शुरू करेगी 396 नई बालवाड़िया

मुंबई। मनपा बालवाड़ियों का पूरी तरह कायापलट करने का निर्णय मनपा प्रशासन ने लिया है। वहीं बालवाड़ियों की कमतरता को देखते हुए नए 396 बालवाड़ी शुरु किये जाएंगे। जिससे बालवाड़ियों की कुल संख्या 900 तक पहुंच जाएगी। जिसका फायदा कई बच्चों को मिलने का दावा मनपा प्रशासन ने किया है। गौरतलब है कि मुंबई में मनपा स्कूलों की तुलना अधिक है। जिसकी तुलना में बालवाड़ियों की संख्या कम है। जिससे पालकों द्वारा बच्चों के लिए निजी बालवाड़ियों का सहारा लिया जाता है जिसका परिणाम मनपा स्कूलों के प्रवेश पर पड़ता है। जिससे निपटने के लिए मनपा प्रशासन द्वारा 396 नए बालवाड़ी शुरू करने का निर्णय लिया गया है। जिसे आगामी शैक्षणिक वर्ष से शुरू किये जाने का प्रस्तावित किया गया है। वर्तमान में बालवाड़ियों की कुल संख्या 504 है। वहीं इन नए बालवाड़ियों के शुरू होने से इसकी संख्या 900 तक पहुंच जाने की जानकारी मनपा उपायुक्त मिलीन सावंत ने दी है। इसी के साथ मनपा के सभी बालवड़ियों का कायापलट कर उन्हें आकर्षक बनाया जाएगा। जिसके लिए बच्चों को पसंद आये ऐसे रंग दीवारों पर लगाने का आदेश दिया गया है। वहीं फल-फूल, सूर्य, चांद, तारे व कार्टून्स आदि दीवारों पर बनाए जाएंगे। वहीं बड़े प्रमाण में आकर्षक खिलौने बच्चों के खेलने के लिए उपलब्ध किये जाने की जानकारी सावंत ने दी है।

मुंबई में छात्र ने की खुदकशी

मुंबई। दक्षिण मुंबई में रहने वाले एक छात्र ने डायरिया महल बिल्डिंग की छत से कूदकर खुदकशी कर ली। सूचना मिलने पर पहुंचे पुलिस कर्मी ने बताया कि छात्र अपने माता-पिता का एकमात्र संतान था और अपने परिवार वालों के साथ मैरिन लाइन एरिया में रहता था। छात्र ने सुबह सात बजे से दोस्त से मिलने नेपान सी रोड में जाने की बात कहकर घर से निकला था। सुबह के लगभग 7:30 बजे किसी ने थाने में फोन कर यह सूचना दी कि एक छात्र उंची बिल्डिंग से लटक रहा है। जानकारी मिलने के बाद घटनास्थल पर पहुंची पुलिस की टीम ने पाया कि एक छात्र खून से लथपथ पोल से लटक रहा है। उसे आनन-फानन में समीप के जेजे अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। छात्र के माता-पिता सीनियर आइएएस अधिकारी बताए जाते हैं।

चार बंगला में पुलिस ने पकड़े एमडी बेचते दो आरोपी

मुंबई। पिछले दिन अंधेरी पश्चिम स्थित चार बंगला इलाके से कोकिलाबेन अस्पताल के पास बस स्टॉप से नशीला पदार्थ एमडी बेचने वाले दो आरोपियों को वर्सोवा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जिन्हें जेल भेज दिया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार दोनों आरोपियों जिनमें एक की उम्र 26 साल और दूसरे 33 साल है। पहले भी इस मामले में आरोपी बनाये गये हैं। मुंबई के विभिन्न पुलिस थाने में इनके खिलाफ एमडी बेचने के कई आरोप दर्ज हैं। इन पर धारा 8 (क), 22, 29 एनडीपीएस एक्ट 1985 के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई जोन 9 के डीसीपी परमजीत सिंह दहिया व वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक किरण वसंत राव के मार्गदर्शन की गई।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सूचित किया जाता है कि **'दैनिक मुंबई हलचल'** के नाम पर अगर कोई भी व्यक्ति आपसे किसी भी तरह का 'व्यवहार' करता है तो इसकी पुष्टि के लिए इस नंबर पर संपर्क कर लें।
(9619102478)

आवश्यक है

'दैनिक मुंबई हलचल' अखबार के लिए दक्षिण मध्य मुंबई, बांद्रा, कुर्ला, गोवंडी, अंधेरी, मालाड, दहिसर, ठाणे, मीरा रोड इत्यादि अनेक क्षेत्रों से अंशकालीन संवाददाताओं की आवश्यकता है तुरतं संपर्क करें कॉल करें समय (3 से 6 बजे)
(9619102478)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

अगले उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति के उम्मीदवार के रूप में केंद्रीय मंत्री वेंकैया नायडू का चयन कर सत्तापक्ष ने राष्ट्रपति के प्रत्याशी की तरह इस बार विपक्ष को चौंकाया तो नहीं, लेकिन उसकी ओर से पेश चुनौती को आसानी से पार करने का संदेश अवश्य दे दिया। विपक्ष ने उपराष्ट्रपति पद के लिए गोपाल कृष्ण गांधी को अपना उम्मीदवार पहले ही चुन लिया था। पूर्व नौकरशाह, राजनयिक और राज्यपाल के रूप में गोपाल कृष्ण गांधी की अपनी पहचान और प्रतिष्ठा है, लेकिन उपराष्ट्रपति को राज्यसभा के सभापति के तौर पर सदन के नियम-कानूनों की जैसी जानकारी होनी चाहिए उससे वेंकैया नायडू कहीं अधिक लैस हैं। वह चार बार राज्यसभा के सदस्य रहने के साथ ही संसदीय कार्यमंत्री भी रह चुके हैं। वह अनुभवी राजनेता के साथ कुशल प्रशासक के तौर पर भी जाने जाते हैं। वर्तमान में शहरी विकास के साथ सूचना प्रसारण मंत्रालय का दायित्व संभाल रहे वेंकैया नायडू दक्षिण भारत के उन चंद नेताओं में हैं जो अपनी मातृभाषा के साथ-साथ अंग्रेजी और हिंदी में समान रूप से दक्ष हैं। वह अपनी खास भाषण शैली के लिए तो जाने ही जाते हैं, देश भर में अपनी पहचान भी रखते हैं। निःसंदेह उपराष्ट्रपति के प्रत्याशी के रूप में वेंकैया नायडू के चयन के पीछे भाजपा का एक उद्देश्य यह भी अवश्य रहा होगा कि उनके जरिये दक्षिण के राज्यों में एक खास संदेश जाएगा और वह इस इलाके में पार्टी की पैठ मजबूत करने में सहायक बनेगा। वेंकैया नायडू की एक खासियत यह भी है कि उनके सभी राजनीतिक दलों से दोस्ताना संबंध हैं। ऐसे संबंध राज्यसभा के सभापति के रूप में सदन को सुचारू रूप से चलाने में सहायक बनने चाहिए। लोकसभा और राज्यसभा में सत्तापक्ष के संख्या बल को देखते हुए उपराष्ट्रपति पद के लिए होने वाले चुनाव में वेंकैया नायडू की जीत में कोई संशय नहीं है। उनके राजनीतिक कौशल पर भी कोई संदेह नहीं, लेकिन यह उम्मीद की जाती है कि उनका निर्वाचनराज्यसभा का माहौल बदलने में भी सहायक बनेगा। इसकी अपेक्षा इसलिए और अधिक है, क्योंकि बीते तीन वर्षों में लोकसभा से कहीं अधिक हंगामा राज्यसभा में हुआ है। यह ठीक है कि उच्च सदन में विपक्ष का बहुमत है, लेकिन यह सदन दलगत राजनीतिक दायरे से परे हटकर काम करने के लिए जाना जाता है। एक धारणा यह भी है कि इस सदन में देश के समक्ष उपस्थित मसलों पर कहीं अधिक नीर-क्षीर ढंग से विचार किया जाता है। चूंकि हाल के समय में इस धारणा के अनुकूल काम नहीं हुआ इसलिए उच्च सदन की गरिमा को लेकर सवाल उठे हैं। राजनीति, लोकतंत्र और खुद राज्यसभा की गरिमा की रक्षा के लिए यह आवश्यक है कि वह वास्तव में उच्च सदन सरीखा व्यवहार करे। उपराष्ट्रपति के पद के लिए वेंकैया नायडू के निर्वाचन के साथ ही केंद्रीय मंत्रिपरिषद में एक और स्थान रिक्त हो जाएगा। इसके पहले अनिल माधव दवे के निधन के चलते पर्यावरण मंत्रालय का प्रभार दूसरे मंत्री को दिया गया था। इसके और पहले मनोहर पर्रिकर के गोवा के मुख्यमंत्री बनने के बाद से रक्षा मंत्रालय का काम वित्त मंत्री देख रहे हैं। स्पष्ट है कि उपराष्ट्रपति चुनाव के बाद केंद्रीय मंत्रिमंडल के रिक्त स्थानों की पूर्ति करना प्रधानमंत्री की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए।

सुविचार

दूसरों को सहयोग देना ही उन्हें अपना सहयोगी बनाना है

जंजाल बनेगी जीएसटी की जटिलता

कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार ने एक सरल कर के रूप में जीएसटी की जो परिकल्पना की थी उसका मकसद देश में केवल एकसमान टैक्स लागू करना ही नहीं, बल्कि उसकी दरें भी कम करना था। इससे कर ढांचा सरल होने के साथ ही महंगाई में भी खासी कमी आती। 2011 में कांग्रेस सरकार ने 115वें संविधान संशोधन विधेयक के जरिये जो जीएसटी विधेयक पेश किया था वह न केवल पारदर्शी था, बल्कि उसमें अधिकांश वस्तुएं भी करमुक्त होने के साथ-साथ कर की अधिकतम दर 18 प्रतिशत के उच्च स्तर पर तय की जा रही थी। इससे व्यापार बढ़ता, उपभोक्ता के लिए कीमतें कम होतीं और जीडीपी में एक से दो प्रतिशत की वृद्धि होती। इसके उलट 30 जून, 2017 की मध्यरात्रि को भाजपा सरकार द्वारा ऐसा जीएसटी कानून लागू किया गया जिसने जटिलता बढ़ाने के साथ ही आम लोगों पर भारी बोझ डाल दिया है। भाजपा सरकार स्वभाव से ढिंढोरा पीटने वाली है। वह परिणामों के बजाय प्रचार में विश्वास रखती है। योजनाओं के परिणामों की उसे कोई चिंता नहीं होती। वह प्रचार पाने के लिए खचीर्ला उद्घाटन कराना पसंद करती है। मौजूदा जीएसटी कानून भी इसी सिलसिले की एक कड़ी है। मोदी सरकार ने अगस्त 2016 में 122 वां संविधान संशोधन विधेयक पेश किया और बीती एक जुलाई से उसे कानून बनाकर लागू कर दिया। तमाम जटिलताओं भरा यह कानून एक तरह से इंस्पेक्टर राज की स्थापना करने जैसा है। 5, 12, 18 और 28 प्रतिशत की जीएसटी दरों के साथ यह बेहद उलझाऊ भी है। करीब 30 प्रतिशत वस्तुओं पर अधिकतम 28 फीसद की दर घोर अन्याय है।

दुनिया की किसी भी अर्थव्यवस्था में इतने भारी भरकम करों वाला जीएसटी कानून नहीं है। बांग्लादेश में यह 15 प्रतिशत, मलेशिया में छह प्रतिशत, सिंगापुर और थाईलैंड में सात प्रतिशत, जापान में आठ प्रतिशत, ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया में 10 प्रतिशत, दक्षिण अफ्रीका में 14 प्रतिशत, ब्राजील, चीन आदि में 17 प्रतिशत है। जीएसटी कानून के तहत करदाताओं को 37 रिटर्न प्रतिवर्ष भरने होंगे और सभी 36 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में व्यापार करने वालों को 1,332 रिटर्न भरने होंगे। छोटे और मध्यम कारोबारियों के लिए इतनी जटिल प्रक्रिया वाला यह कानून उनकी रोजी-रोटी पर कड़ा प्रहार करेगा। सरकार की तैयारियों का यह हाल है कि जिस जीएसटी नेटवर्क के तहत लगभग 350 करोड़ इनवॉइस हर महीने भेजे जाएंगे उसके लिए निविदा प्रक्रिया 15 जून को शुरू की गई। इसकी फाइनेंशियल बिड सात जुलाई को खुली। उसके परीक्षण के लिए अगस्त, 2017 से जुलाई, 2018 की अवधि निर्धारित की गई है। इतनी जटिल प्रक्रिया वाले कानून को लेकर सरकार इतनी उदासीन रही कि उसने व्यापारियों और करदाताओं को उससे सही से अवगत भी नहीं कराया। मलेशिया जैसे छोटे से देश में जहां छह प्रतिशत की दर से एकसमान जीएसटी है वहां दो वर्षों तक छह हजार वर्कशॉप के माध्यम से सात लाख लोगों को कानूनी बारीकियों को समझाने के बाद ही उसे लागू किया गया। मोदी सरकार में एक ओर किसानों को उपज के उचित दाम नहीं मिल पा रहे और दूसरी ओर जीएसटी उपज लागत को और बढ़ाने वाला है। खेती में काम आने वाले कीटनाशक, ट्रैक्टर के पुर्जों पर 28 प्रतिशत की दर से कर तय किया गया है। खाद पर पांच प्रतिशत कर लगाया गया है। किसान को इनपुट क्रेडिट का लाभ भी नहीं मिलेगा। वेयरहाउस, कोल्डस्टोरेज और उर्वरकों की ढुलाई इत्यादि पर भी 18 प्रतिशत कर लगाया गया है। जीएसटी से कृषि के बाद सर्वाधिक रोजगार देने वाला कपड़ा उद्योग भी गहरे संकट में फंस गया है। तमाम कपड़ा कारोबारी कारोबार बंद कर विरोध दर्ज करा रहे हैं। हस्तनिर्मित धागे पर 18 प्रतिशत

कर लगाया है जिसका कुल मांग में 60 प्रतिशत योगदान है। इससे छोटे निमार्ताओं का व्यापार लगभग समाप्त हो जाएगा और बड़े औद्योगिक घरानों को फायदा पहुंचेगा। सरकार ने उपभोक्ता मूल्य सूचकांक की वस्तुओं को कम करों के दायरे में रखा है ताकि यह संदेश जाए कि जीएसटी के बाद महंगाई कम हुई है। हकीकत यह है कि रोटी, कपड़ा और मकान पर सरकार ने बड़ा प्रहार किया है। शैंपू, वॉशिंग मशीन, क्रेडिट कार्ड के तहत भुगतान, बैंकिंग सेवाएं, बीमा प्रीमियम, हेलमेट, छोटी कारें, शैक्षणिक संस्थान, हॉस्पिटल, डायलिसिस और ब्लड टेस्ट के साथ वाहनों की ईएमआई, मिनरल वॉटर, सीमेंट इत्यादि पर 18 से 28 प्रतिशत कर लगाया गया है। सरकार द्वारा यह दावा किया जा रहा है कि 81 प्रतिशत वस्तुओं को 18 प्रतिशत की कर श्रेणी में रखा गया है जबकि सच्चाई यह है कि जो 43 प्रतिशत वस्तुएं 18 प्रतिशत कर दायरे में हैं वे मूलतः फिनिश्ड गुड्स यानी अंतिम तैयार उत्पाद नहीं हैं। अधिकांश वस्तुएं 28 प्रतिशत कर श्रेणी वाली तैयार वस्तुओं के लिए काम आने वाली हैं। यह दावा भी गलत है कि पुरानी कर प्रक्रिया के अनुसार ही नई व्यवस्था में कर का निर्धारण किया गया है। सरकार दावा कर रही है कि उसे जीएसटी से जीडीपी का 10.9 प्रतिशत सकल राजस्व प्राप्त होगा अर्थात एक लाख करोड़ रुपये का अतिरिक्त कर हासिल होगा। अगर यह मान भी लिया जाए कि सरकार अधिक से अधिक लोगों को कर के दायरे में लाकर राजस्व बढ़ा रही है तो फिर करों की इतनी अधिक दर क्यों निर्धारित की गई है? मोदी सरकार ने डीजल-पेट्रोल को जीएसटी से बाहर रख कर भी जनता के साथ धोखा किया है।

कांग्रेस सरकार के समय जब पेट्रोलियम उत्पादों पर सब्सिडी का भार एक लाख 43 हजार 778 करोड़ रुपए था तब उन पर करों के माध्यम से सरकार एक लाख 52 हजार 900 करोड़ रुपये प्राप्त करती थी। आज जब पेट्रोलियम उत्पादों पर सब्सिडी का भार मात्र 27,571 करोड़ रुपये रह गया है तब सरकार करों के रूप में 2,58,443 करोड़ रुपये वसूल रही है। क्या यह उचित नहीं था कि पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाकर जनता को राहत प्रदान की जाती? जीएसटी की जीवनरेखा कही जाने वाली इनपुट क्रेडिट व्यवस्था की परिस्थितियां क्या होंगी, जब लगभग 350 करोड़ इनवॉइस हर महीने कारोबारियों द्वारा भेजे जाएंगे। इनवॉइस की जांच में अगर पूर्व में काटे गए कर में से एक रुपया भी माल बेचने वाले ने कर के रूप में कम भरा है तो माल खरीदने वाले व्यापारी को इनपुट क्रेडिट का लाभ नहीं मिलेगा। किसी भी देश में इनवॉइस जांच की इतनी जटिल व्यवस्था नहीं है। दक्षिण कोरिया, ब्राजील और चीन जैसे देशों ने इसे लागू करने के तुरंत बाद उससे तौबा कर यह प्रावधान समाप्त कर दिया। स्पष्ट है कि कांग्रेस सरकार ने वर्षों तक जिस सरल और पारदर्शी जीएसटी का प्रयास किया, उससे मौजूदा जीएसटी बिल्कुल मेल नहीं खाता। यह बड़े औद्योगिक घरानों के लिए तो फायदेमंद हो सकता है, लेकिन छोटे और मध्यम कारोबारियों के लिए यह बेहद निराशाजनक साबित होगा। समय रहते सरकार को सद्बुद्धि नहीं आई तो प्रत्येक क्षेत्र से जुड़े छोटे-बड़े कारोबारी बबार्दी की राह पर ही होंगे। साथ ही आम जनता महंगाई से त्राहिमाम कर रही होगी। जीएसटी के जरिये सरकार ने अंधे कुएं में छलांग लगाने की तैयारी कर ली है और वह सच्चाई का सामना करने को भी तैयार नहीं।

दवा विक्रेताओं पर शिकंजा

स्वास्थ्य विभाग के अधीन आती राज्य दवा नियंत्रक इकाई ने बिना पर्ची दवाइयां बेचने वाले मेडिकल स्टोर्स पर देर से ही सही लेकिन शिकंजा कसकर एक अच्छी शुरूआत की है। राज्य में स्थिति यह है कि एक तो बहुत से मेडिकल स्टोर किसी दूसरे के नाम पर लाइसेंस लेकर चल रहे हैं ऊपर से इनमें बहुत सी ऐसी दवाइयां, जो कि जीवन के लिए खतरा भी उत्पन्न कर सकती हैं, बिना किसी चिकित्सक की पर्ची के धड़ल्ले से बेची जा रही हैं। इनमें यदि हम नशीली दवाइयों की बिक्री का भी जिक्र कर दें तो शायद कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। कास्मेटिक एवं दवा नियंत्रण अधिनियम 1945 के तहत जीवन रक्षक दवाएं, जो कि शेड्यूल एच वन में आती हैं, उन्हें बिना चिकित्सकीय परामर्श के नहीं दिया जा सकता। पिछले दिनों राज्य की दवा नियंत्रक शाखा की विभिन्न टीमों ने योजनाबद्ध तरीके से राज्य की करीब सात सौ दवा की दुकानों पर दबिश दी। इनमें से एक सौ पांच दवा विक्रेताओं को कास्टमेटिक एवं ड्रग्स अधिनियम के तहत आते नियमों का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया है। तीन मेडिकल स्टोर मालिकों के लाइसेंस भी रद किए गए हैं। हालांकि यह विभाग की एक छोटी सी कार्रवाई है। सच तो यह है कि अब भी पंजाब में हजारों मेडिकल स्टोर ऐसे हैं जो कि नियमों को दरकिनार कर लोगों की सेहत से खिलवाड़ करते हुए अपना धंधा चलाए हुए हैं। नियमानुसार चिकित्सकों को भी पर्ची पर साल्ट का नाम लिखने की हिदायत का प्रावधान है परंतु राज्यभर में शायद ही कोई ऐसा चिकित्सालय मिले जहां पर चिकित्सक पर्ची पर बीमारी का पता चलने पर उसे ठीक करने के लिए साल्ट का नाम लिखता हो। चिकित्सकों द्वारा साल्ट का नाम न लिखने की वजह से ही आज देश में दो तरह की कंपनियों स्टैंडर्ड हाउस और जेनरिक के नाम पर दवाइयां बिक रही हैं और आमजन कंपनियों के इस गोरखधंधे में लुट रहा है। विभाग व सरकार से अपेक्षा है कि वह इसे भी सख्ती से लागू करवाए कि चिकित्सक किसी कंपनी की दवा लिखने के बजाए साल्ट का नाम लिखें और इसे भी सुनिश्चित करवाए कि जिस भी मेडिकल स्टोर से दवा दी जा रही है उसका लाइसेंस होल्डर उस वक्त दुकान पर ही उपलब्ध हो।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, बुधवार
19 जुलाई, 2017

हज यात्री बढ़े, सरकार ने 75 प्रतिशत से ज्यादा घटा दी सब्सिडी

नागपुर। हज यात्रा की सब्सिडी खत्म कर हवाई किराए में बढ़ोतरी किए जाने के बावजूद इस बार हज यात्रियों की संख्या में इजाफा हुआ है। पिछले साल के मुकाबले इस बार नागपुर इम्बारकेशन प्वाइंट से करीब एक चौथाई हज यात्री ज्यादा होंगे। सेंट्रल तंजीम कमेटी के सचिव हाजी मो. कलाम के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2012 में हज सब्सिडी 10 साल में खत्म करने के आदेश दिए थे, लेकिन केंद्र सरकार ने पांच साल में ही सब्सिडी 75 प्रतिशत से ज्यादा घटा दी है। अगले वर्ष तक सब्सिडी पूरी तरह खत्म हो सकती है।

सब्सिडी घटने के बाद भी नागपुर से हज यात्रियों की संख्या में भारी बढ़ोतरी हुई है। हजार 250 रुपए अधिक है। 2016 में 1 लाख 84 हजार 650 रुपए तथा 2015 में 1 लाख 80 हजार रुपए अदा करना पड़ा था।

दो श्रेणी के होते हैं हज यात्री

वर्ष 2016 में महाराष्ट्र राज्य का हज यात्रियों का कोटा 7 हजार 556 था, जो इस वर्ष 9 हजार 780 हो गया है। हज यात्री मुख्य रूप से दो श्रेणी के होते हैं-एक ग्रीन और दूसरे अजीजिया। साल 2016 में अजीजिया श्रेणी का किराया 1 लाख 84 हजार 650 रुपए था और ग्रीन श्रेणी का किराया 2 लाख 18 हजार 550 रुपए। इस बार अजीजिया श्रेणी के किराए में 20 हजार 250 रुपए और ग्रीन श्रेणी में 19 हजार 750 रुपए की बढ़ोतरी की गई है। हवाई यात्रा का किराया करीब 62 हजार 65 रुपए है। ग्रीन श्रेणी में वे हज यात्री आते हैं, जिन्हें काबा से एक से डेढ़ किमी के आसपास रहने का मौका मिलता है। अजीजिया में वे होते हैं जो काबा से आठ-नौ किमी के दायरे में रहते हैं। नागपुर एम्बारकेशन प्वाइंट से हज पर जाने वाले ग्रीन श्रेणी के यात्री को इस बार 2 लाख 38 हजार 300 रुपए देना पड़ेगा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 19 हजार 750 रुपए अधिक है। 2016 में 2 लाख 18 हजार 550 रुपए और 2015 में 2 लाख 12 हजार 850 रुपए शुल्क भरना पड़ा था। अजीजिया श्रेणी के यात्री को इस बार 2 लाख 4 हजार 900 रुपए भरना पड़ेगा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 20

किन्नरों से विवाद के बाद धक्का-मुक्की, ट्रेन से गिरा युवक

नागपुर। दोस्त का एडमिशन कराकर गोंदिया से लौट रहे युवक की किन्नरों के साथ धक्का-मुक्की हुई। वह ट्रेन से नीचे गिर पड़ा। चपेट में आकर उसके दोनों पैर कट गए। दोनों पैर गंवा देने वाले अतुल तांडेकर (32) को उपचार के लिए मेयो अस्पताल में भर्ती किया गया है। उसने रेलवे प्रशासन से आर्थिक मदद की गुहार लगाई है। पांचपावली पुलिस ने फिलहाल अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पांढराबोडी रामनगर निवासी अतुल तांडेकर शनिवार की शाम करीब 4.30 बजे गोंदिया से हावड़ा-अहमदाबाद ट्रेन से नागपुर के लिए रवाना हुआ। ट्रेन में कुछ किन्नर यात्रियों से पैसे मांग रहे थे। कलमना के पास ट्रेन पहुंची थी कि किन्नर आ गए। उन्होंने अतुल से पैसे मांगे। अतुल ने 10 रुपए दिए। एक किन्नर ने कहा कि भीख दे रहा है क्या? यह सुनकर उसने 20 रुपए दिया। तब किन्नरों ने 100 रुपए मांगे। उसके

बाद उन्होंने उसकी जेब से किन्नरों ने जबरन पैसे निकालने की कोशिश की। इस दौरान किन्नर उससे धक्का-मुक्की करने लगे। किन्नरों ने उसकी जेब से करीब 900 रुपए निकाल लिए। इसी बीच धक्का लगने से वह पांचपावली क्षेत्र में नीचे गिर गया और ट्रेन से उसके दोनों पैर कट गए। शाम 7.45 बजे तक वहां पटरी के किनारे पड़ा रहा। इस दौरान उस मार्ग से मालगाड़ी गुजरी। उसके चालक ने अतुल को तड़पते हुए देखा। इसकी सूचना चालक ने रेलवे पुलिस को दी। पांचपावली पुलिस ने अतुल को मेयो अस्पताल में भर्ती कराया। अतुल को चिंता सताने लगी है कि वह हमेशा के लिए दो पैर खो चुका है। अब उसकी पत्नी और डेढ वर्ष की बेटी की परवरिश कौन करेगा।

गोवा: मॉनसून सत्र में विपक्ष के हंगामे के बाद सदन की कार्यवाही स्थगित

पणजी। विपक्ष के हंगामे के बीच गोवा विधानसभा में मॉनसून सत्र की शुरूआत हुई। मंगलवार को शुरू हुए सत्र में विपक्ष ने राज्य सरकार के द्वारा जारी एक सर्कुलर को लेकर हंगामा खड़ा किया। मुख्य विपक्षी दल ने सर्कुलर वापस लेने की मांग की थी। हंगामे के बीच विधानसभा अध्यक्ष प्रमोद सावंत ने प्रस्ताव को खारिज करते हुए मुद्दे को अगले दिन बहस के लिए स्थगित कर दिया। चंद्रकांत कवलेकर की अगुवाई वाली विपक्षी पार्टियों ने विधानसभा अध्यक्ष की बातों को अनसुना करते हुए इस मुद्दे को जारी रखा। यहां तक कि वक्ता ने प्रश्नकाल की शुरूआत की घोषणा की, जिसके बाद निलेश काब्राल (भाजपा) ने प्रश्नकाल में भाग लिया लेकिन, कांग्रेस के विधायक और राकांपा विधायक चर्चिल आलममा ने इस पर भी अपनी मांग पर अड़े रहे। हंगामे के बीच कांग्रेस नेता लुइज़िन्हो फेलिरो ने कहा, स्थगन नियमों के विरुद्ध है। आप इस सदन के संरक्षक हैं। एलीक्सो लोरेनको रेगिनाल्डो (कांग्रेस) ने कहा कि स्थगित करने का प्रस्ताव पूरे विपक्ष द्वारा लिया गया है और वक्ता को उनका सम्मान करना चाहिए भावना। हंगामे को बढ़ता देख अध्यक्ष ने सदन को 15 मिनट के लिए स्थगित कर दिया। जब सत्र फिर से शुरू हुआ, तो विपक्ष थोड़ा नरम दिखाई दिया। मुख्यमंत्री मनोहर पर्रिकर ने कहा कि वे इस मुद्दे पर शून्य काल के दौरान चर्चा करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, अध्यादेश को वापस लेने की कोई जरूरत नहीं है। उनकी समस्या हल हो सकती है। विपक्ष इस बयान से नहीं माना और सदन की कार्रवाई में फिर से बाधा पहुंचाई। जिसके बाद प्रवक्ता ने कार्यवाही स्थगित कर दी।

(पृष्ठ 1 का शेष)

मालाड (प.) का गार्डेन बार...

मालाड पुलिस थाना के अंतर्गत आने वाले इस गार्डेन बार के बारे में कहा जाता है कि यहां बीती रात तक बार डांसरों का नाचगाना बेखौफ जारी रहता है और यहां ग्राहकों के लिए शराब और कबाब के साथ-साथ शबाब का भी भरपूर इंतेजाम रहता है। लोगों इस शिकायत के बाद भी गार्डेन बार के प्रबंधक का कहना है कि जबतक स्थानीय बीएमसी और पुलिस अधिकारियों का संरक्षण हमें प्राप्त है गार्डेन बार को बंद कराने की बात कोई सोच भी नहीं सकता। भले ही बार के बगल में मंदिर और श्मशान भूमि हो। उसकी इस बात से हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को काफी ठेस पहुंची है और इससे किसी अनहोनी की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। लोगों ने राज्य के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडनवीस, बीएमसी कमिश्नर अजोय मेहता और पुलिस कमिश्नर दत्तात्रय पडसलगिकर से गार्डेन बार पर अविलंब कार्रवाई करने की मांग की है। लेकिन अभी तक उनकी मांग पूरी नहीं की जा सकी जिससे इनमें भारी आक्रोश है। इधर कई वर्षों से अपनी सेवा से ग्राहकों को खुश करने के साथ ही स्थानीय मनपा और पुलिस अधिकारियों को भी खुश करने में लगा है। मालाड (प.) में मालाड पुलिस स्टेशन के अंतर्गत एसवी रोड स्थित गार्डेन बार में सरकारी नियम कानूनों की धज्जियां ऐसे उडाई जाती है कि मानों इसके मालिक संचालक और प्रबंधक को किसी कोई डर नहीं, चाहे वे राज्य के मुख्यमंत्री हो, बीएमसी कमिश्नर हो या पुलिस कमिश्नर। ग्राहकों से भरे इस बार में बार डांसर अपनी उत्तेजक और लुभावनी अदाओं से अपना जलवा बिखेरती हैं और ग्राहकों को जिस्मफरोशी के लिए खुलेआम उकसाती हैं।

जब ग्राहक पट जाता है तब वे उसे लेकर बार मालिक संचालक और प्रबंधक के इशारे पर वहां से निकल जाती हैं। धूम्रपान पर पाबंदी के बाद भी यहां सिगरेट ऐसे फूंके जाते हैं। इस तरह यहां नियम की धज्जियां उडती साफ देखी जा सकती हैं। इसके बीच बार बालाएं बीती रात तक थिरकती रहती हैं और इस दौरान वे अपने अंगों का प्रदर्शन भी खूब करती हैं। कुछ लोगों ने तो यह भी बताया कि ग्राहकों के साथ निकली बार बालाएं बगल में मंदिर और श्मशान भूमि में भी नजर आती हैं। सरकारी नियम के अनुसार किसी को भी बार के धंधे के लिए लायसेंस तभी दिया जाता है जब उसके 100 मीटर के दायरे में न तो कोई धार्मिक स्थल हो, न ही श्मशान भूमि व कब्रिस्तान हो और न स्कूल या कॉलेज हो। लेकिन गार्डेन बार को देखने से यह पता चलता है कि इस बार को लायसेंस देने में कानून पूरी तरह से उल्लघंन किया गया है। सूत्रों ने बताया कि लायसेंस पाने के लिए गार्डेन बार के मालिक ने पहले स्थानीय बीएमसी और पुलिस अधिकारियों को रिश्वत में मोटी रकम दी है। इसके बाद ही गार्डेन बार गुलजार हुआ और मंदिर व श्मशान भूमि के 100 मीटर के दायरे में आने के बावजूद यह आजतक चल रहा है। लोगों का प्रश्न है कि इसके लिए जिम्मेदार कौन है, बीएमसी, पुलिस महकमा। लोगों ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस, मनपा आयुक्त अजोय मेहता और पुलिस आयुक्त से इस मामले की जांच कराकर गार्डेन बार के खिलाफ कडी कार्रवाई करते हुए इसे बंद कराने की मांग की है।

अबु सलेम की...

सलेम की वकील फरहाना शाह ने कहा, 'हमने अदालत को दो मामलों का हवाला दिया है। एक बॉम्बे हाईकोर्ट और दूसरा दिल्ली हाईकोर्ट का। इसमें कहा गया है कि किसी व्यक्ति को शादी के लिए जमानत या पैरोल दी जा सकती है।' सलेम ने अदालत से अनुरोध किया कि उसे विवाह रजिस्ट्रार के कार्यालय में जाने की मंजूरी दी जाए। साल 2015 में स्थानीय टैबलॉयड में एक महिला की तस्वीर के साथ एक खबर छपी थी। इसमें दावा किया गया था कि सलेम जब सुनवाई के लिए पुलिस सुरक्षा में ट्रेन से लखनऊ जा रहा था, उसी दौरान उसने फोन पर तस्वीर वाली महिला से फोन पर निकाह कर लिया था। इस खबर के बाद टाडा कोर्ट ने ठाणे पुलिस को जांच करने का आदेश दिया था। इसके बाद उस महिला ने टाडा कोर्ट में एक याचिका दायर की। इसमें उसने कहा था कि सलेम से उसके निकाह के बारे में खबर छपने के बाद पुलिस ने उससे पूछताछ की। पुलिस ने अबू सलेम के साथ उसकी तस्वीर दिखाई और कई लोगों से शादी के बारे में पूछा। इससे उसके चरित्र को लेकर गलत तरह की बातें कही-सुनी जाने लगी। अब वह किसी और से शादी नहीं कर सकती इसलिए अब वह अबू सलेम शादी करना चाहती है। सलेम ने जवाब में कहा कि वह प्रस्ताव को स्वीकार महिला को हुई 'क्षतिपूर्ति' की भरपाई करना चाहता है।

मायावती ने दिया राज्यसभा...

बताया जा रहा है कि सभी सांसदों ने मायावती को इस्तीफा देने से रोका, मगर वो नहीं मानीं और अपनी सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। इससे पहले मायावती ने धमकी दी थी कि वो राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे देंगी। उन्होंने आरोप लगाया कि सदन में ना तो उन्हें सुना जा रहा है और ना ही बोलने दिया जा रहा है। उनके समर्थन में बसपा के सांसदों ने भी सदन से वॉकआउट किया। खबरों के अनुसार मायावती ने सहारनपुर व उत्तर प्रदेश में दलितों का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने राज्यसभा से वॉकआउट किया था जिसका समर्थन कांग्रेस ने किया। बसपा सुप्रीमो ने कहा, लानत है अगर मैं अपने कमजोर वर्ग की बात सदन में नहीं रख सकी तो मुझे हाउस में रहने का अधिकार नहीं है। राज्यसभा में मुझे बोलने नहीं दिया जा रहा है इसलिए आज राज्यसभा से इस्तीफा दे दूंगी।

शिवसेना के आरोपों पर गोपाल गांधी...

गांधी और अम्बेडकर दोनों ही मौत की सजा के खिलाफ थे और वे चाहते थे कि ये खत्म हो। उन्होंने कहा कि जैसी पिटीशन याकूब के लिए लिखी, वैसी ही भारतीय नागरिक कुलभूषण जाधव के लिए भी लिखी थी, जिसे पाकिस्तान की कोर्ट ने मौत की सजा सुनाई है। बता दें कि गोपाल गांधी ने याकूब मेमन को फांसी दिए जाने के विरोध किया था। उन्हें उप-राष्ट्रपति चुनाव में कैंडिडेट बनाए जाने पर शिवसेना ने कहा था कि ये कांग्रेस की ओछी सोच को दिखाता है।

NSA डोभाल ने PM मोदी को बताये बॉर्डर के हालात

भारत और चीन सीमा पर तनातनी बनी हुई है सिक्किम में भारत और चीन की सेना के बीच विवाद जारी है । इस बीच राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने ढट मोदी से मुलाकात की और भारत और चीन सीमा के हालात की जानकारी दी। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और ढट मोदी मुलाकात संसद में हुई । आपको बता दे कि विदेश सचिव चीन से तनाव के मुद्दे पर आज संसदीय कमेटी को ब्रीफ करेंगे। भारत चीन तनाव मुद्दे पर लोकसभा में समाजवादी पार्टी ने स्थगन प्रस्ताव भी दिया था। आपको बता दे कि पिछले एक माह से सिक्किम के डोकलाम बॉर्डर पर चीन और भारत के आर्मी आमने-सामने हैं। आज चीन और तिब्बत के आर्मी ने भारतीय बॉर्डर पर युद्धाभ्यास भी किया। इससे पहले चीन भारत को धमकी दे रहा है कि वह डोकलाम बॉर्डर से अपने सैनिक वापस बुलाए। बीजिंग में भारतीय राजदूत समेत दूसरे मुल्क के राजदूतों से चीन कह रहा है कि अगर भारत अपने सैनिकों को वापस नहीं बुलाने पर युद्ध की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। हालांकि भारत और चीन सीमा पर तनातनी लेकर चीन बौखलाया हुआ है वही चीनी मीडिया भी लगातार भारत को युद्ध की धमकी दे रहा है। सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स के छपे लेख में दावा

किया गया है कि डोकलाम पठार के पास सड़क बनाने से चीनी सेना को रोकने की भारतीय कार्रवाई चीन की सम्प्रभुता का गंभीर उल्लंघन है यह सड़क भारत-चीन-भूटान की सम्मिलित सीमा के पास है। वही डोकलाम में भारत ने चीन के सड़क निर्माण पर चिंता जताई है ।

जानिए , क्या है भारत चीन विवाद का पूरा मामला

› दोनों देशों के बीच 3,500 किमोलीटर (2,174 मील) लंबी सीमा है।

› भारत और चीन चुंबी घाटी के इलाके में आमने-सामने है, जहां भारत-भूटान और चीन तीन देशों की सीमाएं मिलती हैं। डोकलाम पठार चुंबी घाटी का ही हिस्सा है जहां भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच तनाव हुआ है।

› इस पूरे विवाद से भारत की चिंता इस बात को लेकर है इस इलाके से चीन की तोपें चिकेन्स नेक कहे जाने वाली इस संकरी पट्टी के बेहद करीब तक आ सकती हैं। जो उत्तर पूर्व को पूरे भारत से जोड़ती है।

› डोकाला पठार से सिर्फ 10-12 किमी पर ही चीन का शहर याडोंग है। जो हर मौसम में चालू रहने वाली सड़क से जुड़ा है डोकाला पठार नाथूला से सिर्फ 15 किमी की दूरी पर है।

› भूटान सरकार भी डोकाला इलाके में चीन की मौजूदगी का विरोध कर चुकी है, जो कि जोम्पलरी रिज में मौजूद भूटान सेना के बेस से बेहद करीब है।

› जून की शुरूआत में चीनी वर्करों ने याडोंग से इस इलाके में सड़क को आगे बढ़ाने की कोशिश की, जिसकी वजह से ठीक इसी इलाके में भारतीय जवानों ने उन्हें ऐसा करने से रोका।

PoK के युवक को इलाज के लिए वीजा देकर सुषमा का पाक को मुंहतोड़ जवाब

केंद्रीय विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर यानी पीओके में रहने वाले युवक को वीजा देने का एलान किया है। केंद्रीय विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर यानी पीओके में रहने वाले युवक को वीजा देने का एलान किया है। सुषमा ने आज ट्वीट कर इस बात की जानकारी दी है। बता दें कि पाकिस्तान 24 साल के ओसामा अली को भारत आने की इजाजत नहीं दे रहा था। दरअसल पीओके में रहने वाला युवक ओसामा अली इलाज के लिए भारत आना चाहता है, लेकिन उसको पाकिस्तान भारत आने की इजाजत नहीं दे रहा है। बताया जा रहा है कि इस युवक के लिवर में ट्यूमर है। इसलिए वह दिल्ली आकर अपना इलाज कराना चाहता है। सुषमा स्वराज ने ट्वीट कर कहा है, पीओके भारत का अभिन्न अंग है। पाकिस्तान ने वहां गैरकानूनी तरीके से कब्जा किया हुआ है। हम ओसामा को वीजा देंगे। इसके लिए किसी पत्र की कोई जरुरत नहीं होगी। बता दें कि ओसामा को इलाज के लिए दिल्ली आने की प्रक्रिया के लिए सरताज अजीज को इस्लामाबाद में भारतीय हाई कमीशन को लेटर लिखकर देना था, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। इसके कारण ओसामा भारत नहीं आ पा रहा था। कुछ दिनों पहले सुषमा ने कहा था कि भारत में इलाज कराने के इच्छुक पाकिस्तानी नागरिक अगर सरताज अजीज की अनुशंसा के साथ आएं तो उन्हें तुरंत ही वीजा दे दिया जाएगा। लेकिन इस मामले में स्वराज ने बिना अजीज के पत्र के ही वीजा देने का एलान कर दिया।

शाहिद रफी, किरण शांताराम, चंद्रशेखर पुसलकर गुफ्तगू बुक लॉन्च में सम्मानित

कांत दर्शन पब्लिशर्स ने एक नए तरह का बुक लांच इवेंट आयोजित किया जहाँ उन्होंने अतिथि और दादासाहब फाल्के, वी शांताराम, स्व. रविन्द जैन और मोहम्मद रफी के परिवार के सदस्यों को आमंत्रित किया। पद्म विभूषण वी शांताराम के पुत्र किरण शांताराम, दादा साहब फाल्के के पुत्र चंद्रशेखर पुसलकर , स्वर्गीय पद्मश्री रवींद्र जैन की पत्नी दिव्या जैन और जैस्मिन रफी-शाहिद रफी , महान गायक मोहम्मद रफी के बेटी बेटा इस समारोह में भाग लेने के लिए विशेष रूप से आए थे। उन्हें गुरु कांत महाराज ने सम्मानित किया, जिन्होंने अपनी 60 वीं पुस्तक ह्यगुफ्तगू इस्कॉन ऑडिटोरियम, जुहू में रिलीज किया। हरजीत आनंद ने मीडिया को बताया कि युवा पीढ़ी बॉलीवुड के ऐसे बड़े नामों से अवगत नहीं हैं। इसलिए हमने उनके परिवार को अपनी यादों को साझा करने के लिए कहा। यह एक परिपूर्ण भरा हुआ घर था, जहां गुरुकांत महाराज ने अपनी नवीनतम किताब गुफ्तगू के बारे में बात की थी। जी आर कांत का काम प्रमुखता से यथार्थवाद प्रस्तुत करता है। उनके लेखन में न केवल सामाजिक कल्याण, मानव कल्याण और आध्यात्मिक जागृति का वर्णन किया गया है, बल्कि एक तर्कसंगत दृष्टिकोण भी दशार्या गया है। महिला सशक्तिकरण के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य के लिए साहित्य का उपयोग करती है। भारतीय शहीदों के लिए एक श्रद्धांजलि के रूप में उन्होंने जो गाने लिखे हैं, उनमें से कई देशभक्ति से परिपूर्ण हैं। लेखक-कवि जी. आर. कांत ने कई गाने लिखे हैं, जिन्हें एक पुस्तक गुफ्तगू में संकलित किया गया है। इन आमंत्रितों के उल्लेखनीय शब्द न केवल भारतीय जनता का मनोरंजन करते हैं, बल्कि सामाजिक संदेश भी रखते हैं। पुस्तक रिलीज के अवसर पर, कांत दर्शन प्रकाशक ने कार्यक्रम के विशेष प्रसारण के लिए मीडिया पार्टनर - ब्राइट एडटाइजिंग और आस्था चैनल के प्रति आभार व्यक्त किया।

पार्रिकर का बयान- गोवा में नहीं होने दी जाएगी बीफ की कमी

गोवा के मुख्यमंत्री मनोहर पार्रिकर ने आज विधानसभा में कहा कि गाय के मांस की कमी को पूरा करने के लिए पड़ोसी राज्य कर्नाटक से गोमांस खरीदा जा सकता है। पार्रिकर विधान सभा में मानसून सत्र के आज पहले दिन विधायक निलेश कब्राल के एक प्रश्न का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि हम लोगों ने कर्नाटक के बेलगाम से गोमांस खरीदने का विकल्प बंद नहीं किया है। मैं आप लोगों को भरोसा दिलाता हूं कि पड़ोसी राज्य से गोमांस का निरीक्षण डाक्टरों द्वारा कराया जा सकता है। पार्रिकर ने एक लिखित जवाब में कहा कि गोवा मीट कांप्लेक्स में 2000 किलो गाय का मास प्रतिदिन काटा जाता है। शेष गोमांस पड़ोसी राज्य कर्नाटक से मंगाया जाता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का पड़ोसी राज्य से जानवरों को लाकर गोवा मीट कांप्लेक्स में काटने पर प्रतिबंध लगाने का कोई इरादा नहीं है।

अलग झंडे के तहत कर्नाटक सरकार ने बनाई 9 सदस्यों की कमेटी

कर्नाटक में अलग झंडे की मांग को लेकर विवाद बढ़ता नजर आ रहा है। कर्नाटक में कांग्रेस की अगुवाई वाली राज्य सरकार ने प्रदेश के लिए अलग झंडे की मांग करते हुए एक नौ सदस्यीय समिति का गठन किया है, जो झंडे का डिजाइन तय करेगी। इस झंडे को कानूनी मान्यता दिलाने का काम भी इसी कमेटी को सौंपा गया है।

देश में अभी तक एक जम्मू-कश्मीर ही ऐसा राज्य है जिसके पास अपना अलग झंडा है। कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार ने ये कदम इस साल होने वाले विधानसभा चुनावों को देखते हुए उठाया है। कर्नाटक में अगल झंडे की मांग इससे पहले 2012 में भी उठी थी, लेकिन तत्कालीन बीजेपी सरकार ने यह कहते हुए इसका पुरजोर विरोध किया था कि यह कदम ह्यदेश की एकता और अखंडता के खिलाफ है। बता दें कि कांग्रेस की कोशिश है कि ध्वज के बहाने कन्नड़ अस्मिता को हवा

दी जाए। यदि मुख्यमंत्री सिद्धरमैया अपनी मांग मनवाने में कामयाब रहे तो कर्नाटक आधिकारिक तौर पर अपना अलग ध्वज रखने वाला देश का दूसरा राज्य बन जाएगा। अभी तक संविधान की धारा 370 के तहत जम्मू कश्मीर को ही ये विशेष दर्जा हासिल है कि उसके पास खुद का ध्वज है।

स्मृति ईरानी को सूचना प्रसारण मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार मिला

स्मृति ईरानी को वेंकैया नायडू की जगह सूचना प्रसारण मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। स्मृति ईरानी अभी कपड़ा मंत्रालय संभाल रही हैं और अब उनके पास सूचना प्रसारण मंत्रालय का जिम्मा भी होगा। इसके अलावा वेंकैया की जगह नरेंद्र सिंह तोमर को शहरी विकास मंत्रालय का प्रभार दिया गया है।

वेंकैया नायडू ने तीन मंत्रालयों से दिया है इस्तीफा

एनडीए की ओर से पूर्व केंद्रीय मंत्री वेंकैया नायडू को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाए जाने के बाद कल उन्होंने अपने तीनों मंत्रालयों से इस्तीफा दे दिया था। वेंकैया नायडू मोदी कैबिनेट में कई अहम मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। नायडू के पास सूचना प्रसारण मंत्रालय, शहरी विकास मंत्रालय और गरीबी उन्मूलन मंत्रालय सहित तीन मंत्रालय थे।

इन मंत्रियों पर भी है अतिरिक्त प्रभार

बता दें कि अरुण जेटली पहले से वित्त मंत्रालय के साथ रक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे हैं। इसी साल मनोहर परिकर के गोवा के मुख्यमंत्री बनने से रक्षा मंत्री का पद खाली हुआ था। वहीं पर्यावरण मंत्री अनिल

दवे का निधन होने से हर्षवर्धन को पर्यावरण मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार दिया गया। हर्षवर्धन पहले से विज्ञान मंत्रालय संभाल रहे हैं।

इस स्थिति को देखते हुए मोदी सरकार का नया विस्तार मानसून सत्र के बाद हो सकता है। इससे पहले साल 2014 में पहला केंद्रीय कैबिनेट विस्तार हुआ था। जिसमें 21 चेहरों को शामिल किया गया था। पिछले साल जुलाई में भी कैबिनेट में फेरबदल कर स्मृति ईरानी की जगह प्रकाश जावड़ेकर को मानव संसाधन मंत्रालय दिया गया था और स्मृति ईरानी को कपड़ा मंत्रालय भेज गया।

तेजस्वी यादव को लेकर संकट गहराया, JDU-RJD में सुलह की कोशिश नाकाम

बिहार में महागठबंधन का संकट गहराया गया है। सत्ताधारी गठबंधन जेडीयू-आरजेडी में सुलह की कोशिश नाकाम हो गई हैं। गठबंधन के बने रहने के लिए लालू प्रसाद यादव के फॉमूर्ले को नकार दिया गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के इस्तीफे से कम पर मानना को तैयार नहीं दिख रहे हैं। महागठबंधन में गहरे संकट का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि दोनों के बीच बीच-बचाव का काम कर रही कांग्रेस पर ही आरजेडी ने सवाल खड़े कर दिए हैं, उंगली उठा दी है। इस लड़ाई में हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह को घसीट लाया गया है। इस खींचतान और तनातनी के बीच आज शाम कैबिनेट की बैठक हैं। अब देखना अहम होगा कि क्या इस बैठक में तेजस्वी यादव शामिल होते हैं या नहीं। इससे बिहार की मौजूदा राजनीति और संकट की अगली तस्वीर बहुत हद तक साफ हो जाएगी। दरअसल, तेजस्वी यादव के इस्तीफे को लेकर लालू और नीतीश दोनों में से कोई झुकने को तैयार नहीं हैं। कांग्रेस की मध्यस्थता बेअसर है। दोनों नेता अब तक बैठने को तैयार नहीं हैं। सूत्र बताते हैं कि लालू तेजस्वी के इस्तीफे के बाद आरजेडी के सभी मंत्री का इस्तीफा दिलाने और सरकार को बाहर से समर्थन देने को कह रहे पर नीतीश इसपर राजी नहीं है। नीतीश चाहते हैं कि सिर्फ तेजस्वी इस्तीफा दें। हालांकि, नीतीश ने खुद कभी तेजस्वी से इस्तीफा मांगा नहीं है।

9 जजों की बेंच करेगी फैसला

'निजता का अधिकार मौलिक अधिकार है या नहीं?'

निजता का अधिकार मौलिक अधिकार है या नहीं? सुप्रीम कोर्ट के 9 जजों की बेंच ये तय करेगी। इस मसले पर कल सुनवाई होगी। आधार कार्ड योजना की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने ये तय किया।

5 जजों की बेंच ने लगभग 1 घंटा सभी पक्षों की दलीलें सुनी। इसके बाद ये पाया कि पहले निजता के अधिकार पर विचार होना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि याचिकाकर्ता आधार कार्ड के लिए बायोमेट्रिक रिकॉर्ड लिए जाने को निजता का हनन बता रहे हैं। जबकि सरकार की दलील है कि निजता का अधिकार मौलिक अधिकार है ही नहीं।

आज सुनवाई शुरू होते ही एटॉर्नी जनरल के के वेणुगोपाल ने कोर्ट का ध्यान 2 पुराने फैसलों की तरफ आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि एम पी शर्मा मामले में सुप्रीम कोर्ट के 8 जजों की बेंच ये कह चुकी है कि निजता का अधिकार मौलिक अधिकार नहीं है। खड़क सिंह मामले

में 6 जजों की बेंच का भी यही निष्कर्ष था। इसलिए, 5 जजों की बेंच इस सवाल पर सुनवाई नहीं कर सकती। इसे 9 जजों की बेंच के पास भेजा जाए।

याचिकाकर्ताओं की तरफ से वरिष्ठ वकील श्याम दीवान और गोपाल सुब्रमण्यम ने इस मांग का समर्थन किया। हालांकि, उनकी दलील थी कि गोविन्द बनाम मध्य प्रदेश, राजगोपाल बनाम तमिलनाडू जैसे मामलों में सुप्रीम कोर्ट की ही छोटी बेंचों ने निजता को मौलिक अधिकार माना है। 1978 में मेनका गांधी बनाम यूनियन ऑफ इंडिया केस में सुप्रीम कोर्ट के 7 जजों की बेंच ने सम्मान से जीने को संविधान के अनुच्छेद 21 यानी जीवन के मौलिक अधिकार का हिस्सा माना है। इस लिहाज से भी निजता का अधिकार अनुच्छेद 21 के तहत माना जाएगा।

चीफ जस्टिस जे एस खेहर की अध्यक्षता में बैठी 5 जजों की बेंच ने इस सवाल को बेहद अहम करार दिया। बेंच ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की बड़ी बेंचों ने निजता के अधिकार को संविधान का हिस्सा नहीं माना। लेकिन सुप्रीम कोर्ट की ही छोटी बेंचों ने इसे मौलिक अधिकार कहा है। ऐसे में पहले इस सवाल का निपटारा होना जरूरी है।

कोर्ट ने कहा कि कल पूरा दिन 9 जजों की बेंच निजता के अधिकार पर सुनवाई करेगी। सभी पक्ष 1-1 घंटे में अपनी दलील रखें। अगर निजता के अधिकार को मौलिक अधिकार माना जाता है तो फिर ये देखा जाएगा कि आधार योजना निजता के अधिकार का हनन है या नहीं। कोर्ट ने संकेत दिए कि निजता के अधिकार का सवाल तय होने के बाद आधार योजना से जुड़ी याचिकाओं को दोबारा 5 जजों की बेंच में भेज दिया जाएगा।

उपराष्ट्रपति पद के लिए वेंकैया नायडू और गोपाल कृष्ण ने भरा नामांकन

जहां कल देश में राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान खत्म हुए है, वही अब उपराष्ट्रपति चुनाव की नामांकन शुरू हो गई है। उप-राष्ट्रपति के चुनाव के लिए नामांकन का आज आखिरी दिन है और इस आखिरी दिन पर ही दोनों उम्मीदवारों ने नामांकन भर दिया है। एनडीए की तरफ से बीजेपी नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री वेंकैया नायडू ने सुबह 11 बजे नामांकन भरा तो वहीं 18 विपक्षी पार्टियों के उम्मीदवार गोपालकृष्ण गांधी ने दोपहर करीब 1 बजे अपना नामांकन भरा।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और ढऊअ के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार वेंकैया

नायडू जब अपना नामांकन भर थे तब उनके साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह, वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी और विदेश मंत्री सुषमा स्वराज भी मौजूद थे। वेंकया नायडू की उम्मीदवारी के समर्थन में 35-35 प्रस्तावकों के हस्ताक्षर वाले दो नामांकन पत्रों के सेट जमा कराए है। नामांकन भरने से पहले नायडू ने भाजपा के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी और लाल कृष्ण आडवाणी से भी मुलाकात की थी।

वही, वढअ के उप-राष्ट्रपति के चुनाव पद के उम्मीदवार गोपाल कृष्ण गांधी जब अपना नामांकन भर रहे थे उस वक्त उनके साथ पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और उपाध्यक्ष राहुल गांधी भी मौजूद रहे। इसके अलावा कांग्रेस और कई विपक्षी पार्टियों के नेता भी मौजूद थे।

सिगरेट पीने वालों के लिए बुरी खबर, अब महंगा पड़ेगा सिगरेट पीना

सिगरेट पीने वालो के लिए बेहद बुरी खबर है कि आज से सिगरेट महंगी हुई। सिगरेट पर सेस की नई दरें सोमवार की मध्य रात्रि से प्रभावी हो गईं। सिगरेट पर सेस में 485 से 792 रुपये की वृद्धि की गयी है। इस वृद्धि से सरकार को करीब पांच हजार करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त होगा। जीएसटी कांउसिल ने सिगरेट पर रेट बढ़ाने का निर्णय किया है। ताकि सिगरेट कंपनियों मिल रहे मुनाफे पर रोक लगाई जा सके। केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली ने कहा कि सिगरेट पर सेस की ऊंची दर से सरकार को 5,000 करोड़ रुपए का अतिरिक्त राजस्व मिलेगा। इस निर्णय को सिगरेट कंपनियों के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है क्योंकि जीएसटी के बाद उन्हें अचानक होने वाला लाभ अब नहीं मिल पाएगा। जाहिर सी बात है कि जीएसटी काउंसिल की 19 वीं बैठक थी ।वित्त मंत्री ने कहा कि सिगरेट पर 28 प्रतिशत जीएसटी और 5 प्रतिशत का एड वालरम बना रहेगा। सिगरेट के उपर जो टैक्स लगता है उसे बढ़ा दिया जाएगा। सिगरेट पर जो एड वालरम लगता है वह एक तरह का टैक्स ही हैं।

मुंबई के बाहर जाएंगे गौशाला

मुंबई, सड़क पर घूमने वाली गायों के लिए गौशाला बनाने की भाजपा की मांग को मनपा ने ठुकरा दिया है । भाजपा ने मनपा द्वारा तैयार किए जा रहे नए विकास प्रारुप में गैशाला के लिए भूखंड आरक्षण रखने की मांग रखी थी। गौरतलब है कि भाजपा नगरसेवक राम बारोट ने मनपा सदन में सवाल उठाते हुए आवारा सड़क पर घूमने वाले गायों के लिए मुंबई में गौशाला बनाए जाने की मांग रखी थी उन्होंने मनपा द्वारा तैयार किए जा रहे विकास प्रारुप में गौशाला के लिए भूखंड आरक्षण रखे जाने की गुहार लगाई थी ।मनपा आयुक्त ने भाजपा की मांग को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा 2006 में लिए गए निर्णय जिसमे गाय भैस के तबेले मुंबई के बाहर किए जाने का निर्देश दिया है ।जिसको लेकर सरकार ने आध्यदेश जांरी किया है। मनपा आयुक्त ने अपने जवाब में कहा है कि मनपा को लोगो को मूलभूत सुविधा मुहैया कराने का काम है ।जिसमे जानवरो की देखरेख जैसी चीजें नहीं आती और जानवरों को मुंबई के बाहर ले जाने का सरकार का निर्देश होने के कारण मुंबई में गौशाला के लिए भूखंड आरक्षित रखना उचित नहीं होगा ।बता दे की मुंबई के विकास को लेकर अगले 20 साल तक किस तरह की तैयारी की जाए इसको लेकर 2014 से 2034 जिसे अब सुधारित रूप देकर 2016 से अगले बीस साल के लिए विकास प्रारूप तैयार किया जा रहा है जिसकी 27 जुलाई तक मनपा से मँजूरी दे दिए जाने की संभावना है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

चीनी मीडिया का दावा 158 भारतीय सैनिक मारे गए

नई दिल्ली। चीन हर तरह से भारत पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। वो 'साम दाम दंड भेद' की नीति अपना रहा है। जब बॉर्डर पर जोर नहीं चल रहा, तो अब मीडिया के जरिए चीन तरह-तरह के हथकंडे अपना रहा है। कल चीनी मीडिया में खबर आई कि बॉर्डर पर चीनी सेना ने 158 भारतीय सैनिकों को मार गिराया है। ऐसी ही कुछ खबरें पाकिस्तान न्यूज चैनलों पर भी चल रही हैं। लेकिन भारत ने इन खबरों को झूठा करार दिया है। सोमवार को भारत ने चीनी मीडिया से आने वाली खबरों को सीधे तौर पर नकार दिया जिनमें कहा जा रहा है कि चीनी सेना ने सिक्किम सीमा पर 158 भारतीय सैनिकों को मार दिया और रॉकेट से हमला किया है। बता दें कि ये झूठी खबरें चीन के सेना के तिब्बत में नए अभ्यास किए जाने के एक दिन बाद आईं, जिसमें दुश्मन के विमानों और टैंकों को लक्षित करना भी शामिल था। चीनी सेना के इस युद्धाभ्यास का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गोपाल बागले ने कहा, 'ऐसी रिपोर्टें पूरी तरह से निराधार, दुर्भावनापूर्ण और

शरारती हैं। जिम्मेदार मीडिया से उन्हें कोई संज्ञान नहीं लिया जाना चाहिए।' दरअसल, चीन सेंट्रल टेलीविजन(सीसीटीवी) ने एक वीडिया चलाया है, जिसमें चीनी सैनिकों को रॉकेट लॉन्चर, मशीनगनों और मोटारों का इस्तेमाल करते हुए दिखाया जा रहा है। ये सभी भारतीय चौकियों को निशाना बनाते नजर आ रहे हैं। सिक्किम-भूटान सीमा पर डोकलाम क्षेत्र में भारत और चीन की सेनाएं पिछले एक महीने से महज 120 मीटर की दूरी पर खड़ी है। लेकिन भारत का मंसूबा साफ है कि वह ना तो चीन के दबाव में आएगा और ना ही अपनी सेना को वहां से हटाएगा। लेकिन भारत किसी भी तरह से अपनी तरफ से आक्रामकता भी नहीं दिखाएगा और ना ही चीन के आक्रामक उकसावे में आएगा। सूत्रों का कहना है कि चीन के साथ विवाद पर भारतीय सेना ने जो स्टैंड लिया है वह चीन की तरफ से बेहद आक्रामक रवैया अपनाने के बाद ही लिया गया है। चीन ने सीधे तौर पर 2012 के समझौते का उल्लंघन किया है और ऐसे में भारत को ऐसे कदम अख्तियार करने पड़े हैं। चीन की तरफ से बार बार बेहद आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किये जाने के बावजूद इस कदम से पीछे हटने का कोई सवाल नहीं है।

मेरठ में आठवीं कक्षा की छात्रा ने लगाई फांसी

मेरठ। मेडिकल थाना क्षेत्र के ए ब्लॉक शास्त्रीनगर में सोमवार को आठवीं की छात्र ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पिता उसे घर में बंद करके हरिद्वार जल लेने के लिए गए थे। पोस्टमार्टम हाउस पर शव लेने के लिए छात्रा के माता और पिता पक्ष के बीच भिड़ंत हुई। शास्त्रीनगर ए ब्लॉक में रहने वाले दमन सिंह फोटोस्टेट की दुकान चलाते हैं। दमन सिंह की पत्नी करीब सात-आठ साल पहले घर छोड़कर चली गई। इसके बाद से घर पर वे और उनकी बेटी राधिका रह गए थे। 13 वर्षीय राधिका आठवीं कक्षा की छात्रा थी। राधिका के पिता जब कहीं बाहर जाते तो वे बेटी के अकेली होने के कारण वे मकान का ताला लगाकर चले जाते थे। रविवार को वे जल लेने के लिए हरिद्वार गए थे।

छात्रा के पिता मकान का ताला लगाकर चाभी अपने दोस्त कमल को दे गए थे। कमल से कह दिया कि सोमवार सुबह को ताला खोलकर बेटी को नाश्ता करा देना। कमल अपने बेटे के साथ मकान पर पहुंचे तो ताला खोलते ही उनकी चीख निकल गई। राधिका फांसी के फंदे पर झूल रही थी। सूचना पर मोहल्ले के लोग एकत्र हो गए। मेडिकल पुलिस मौके पर पहुंच गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भिजवाया गया। छात्रा की मां मधु अलग होकर जाग्रति विहार में रहती है। राधिका की मौत की सूचना पर वो भी लोगों के साथ पोस्टमार्टम हाउस पर पहुंच गए। हरिद्वार से छात्रा के पिता भी वापस आ गए। राधिका की मां ने पिता पर छात्रा को बंद करके रखने और हत्या करने का आरोप लगाते हुए हंगामा कर दिया। उसने कहा कि शव का अंतिम संस्कार वही करेगी। इसको लेकर दोनों पक्षों में भिड़ंत हो गई। छात्रा के पिता ने कहा कि वे शव उसको नहीं देंगे जो बचपन में ही उसको छोड़कर कहीं और चली गई। इसके बाद वहां मारपीट की नौबत तक आ गई।

नरसंहार का पूर्व आरोपी मांग रहा मौत

...करना चाहता है पापों का प्रायश्चित

पटना। बिहार के औरंगाबाद में चर्चित दलेलचक-बघौरा नरसंहार के आरोपी रहे रामाश्रय पासवान ने 30 साल बाद जिंदा समाधि लेकर अपने पापों का प्रायश्चित करने का फैसला लिया है। रामाश्रय पासवान उस नरसंहार में शामिल होने के आरोप में 11 महीने जेल में रहा था। लेकिन, बाद में रिहा हो गया। परिवार उसके फैसले के खिलाफ है, लेकिन वह अपनी जिद पर डटा है। रामाश्रय चाहता है कि समाधि लेने में लोग उसकी मदद करें। वह इसके लिए स्थानीय मुखिया से मिलने भी गया, पर उसकी मुलाकात नहीं हो सकी। फिर उसने पुलिस की शरण लेना

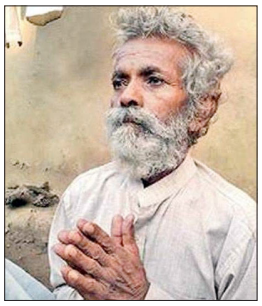

चाही और थाने की ओर रूख किया। जहां पुलिस ने भी उसका साथ नहीं दिया और ऐसा करने से मना करते हुए उसे वापस भेज दिया गया। दरअसल, दो साल पहले रामाश्रय की पत्नी मंदोदरी देवी की मौत के बाद वह बिल्कुल अकेला महसूस करने लगा था। तब उसने गांव के शिवालय में शरण ले ली। अधिकतर समय पूजा-पाठ में गुजारने लगा। फिर उसके बाद इसी साल के मार्च महीने में वह अयोध्या चला गया। वहां कई साधु-संतों से मिला और बेचैन मन की शांति का उपाय पूछा। तभी एक संत ने उसके पिछले कर्मों की जानकारी लेते हुए उसे समाधि ले लेने की सलाह दी। इसके बाद वह वापस गांव लौट आया और अब इसकी तैयारी कर रहा है। इसके लिए उसने मदनपुर देव प्रखंड की सीमा से सटे जोड़रवा गांव में सिर्फ भूमि चिन्हित कर रखी है, बल्कि दिन भी तय कर रखा है। रामाश्रय पासवान ने बताया कि सावन की शुक्ल सप्तमी यानी 30 जुलाई को वह समाधि लेगा।

दलेलचक-बघौरा नरसंहार में मारे गए थे 54 लोग

29 मई, 1987 को हुए दलेलचक बघौरा नरसंहार में 54 लोग मारे गए थे। इसके पूर्व हुए छेछानी नरसंहार के प्रतिशोध में नक्सलियों ने इस घटना को अंजाम दिया था। इस मामले में बघौरा निवासी सत्येन्द्र कुमार सिंह के बयान पर दर्ज प्राथमिकी में करीब 177 लोगों को आरोपी बनाया गया था। इनमें से 8 लोगों को दोषी करार दिया गया था। बाकी बरी कर दिए गए थे। इन 8 लोगों को सिविल हाईकोर्ट ने फांसी की सजा मुकर्रर की थी। लेकिन, सुप्रीम कोर्ट ने राहत देते हुए फांसी की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया। 2011 में सभी आरोपी सजा काटकर बाहर चुके हैं। इस नरसंहार में पूरा परिवार खो चुके बघौरा निवासी विनय कुमार सिंह बताते हैं कि ढ़ाई साल के मासूम से लेकर 105 साल की वृद्ध महिला तक की हत्या कर दी गई थी।

बेटे की हाथ में हथकड़ी देख सदमे से पिता की मौत

भागलपुर। पिता अपने पुत्र को किस हद तक प्यार करता है और किसी विपत्ति में पड़ने वह खुद कितने असहज हो जाते हैं, यह बिहार के एक जिले भागलपुर में देखने को मिला। यहां पुत्र को हथकड़ी में देख पिता की सदमें से मौत हो गई।

दरअसल, जिले के पीरपैंती ब्लॉक के पास कुछ दिन पूर्व लूटपाट में दुर्घटनाग्रस्त हुए टेंपो और उस पर सवार दो लोगों की मौत मामले में परशुराम यादव को गिरफ्तार किया गया था। परशुराम को पुलिस ने घटना के दिन ही गिरफ्तार कर लिया था। नशे में होने के कारण परशुराम को पुलिस ने जेल नहीं भेजा था। उसे मायागंज अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती किया था।

मंगलवार दोपहर उसके पिता इलाजरत बेटे को देखने आए थे। बेटे को हथकड़ी में देखते ही वह रोने लगे और इसी दौरान उन्हें सदमे में उसे दौरा पड़ा और मौत हो गई। घटना के बाद अस्पताल में कुछ पल के लिए इमरजेंसी में अफरातफरी मच गई। परिवार वाले शव को लेकर गांव चले गए।

बेटे ने संपत्ति के लिए मां-बाप की गोली मारकर हत्या कर दी

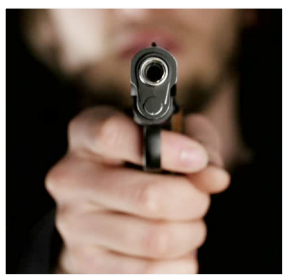

पटना। संपत्ति विवाद में एक बेटे ने अपने पिता और सौतेली मां को मौत के घाट उतार दिया है। मिली जानकारी के मुताबिक रात में सो रहे दंपति की उनके बेटे ने ही गोली मारकर हत्या कर दी। घटना समस्तीपुर के विभूतिपुर इलाके में मंगलवार की अहले सुबह एक दंपति की गोली मार कर हत्या की दी गई। विभूतिपुर इलाके के पटपारा गांव में हुई इस हत्या के दोहरे वारदात में मृतक एक पूर्व सैनिक दंपति है। अब तक जो जानकारी मिली है उसके मुताबिक संपत्ति विवाद में उसके पुत्र ने ही हत्या की वारदात को अंजाम दिया है। फायरिंग की आवाज सुनकर आसपास के लोग जब तक जुटते तब तक दोंनों ने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही पहुंची पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है। मृतकों में विक्रम प्रसाद सिंह और उनकी पत्नी नीलम शामिल हैं। घटना के विरोध में पटपाराझदलसिंहसराय-रोसड़ा सड़क को जाम कर दिया है। पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कर छानबीन कर रही है।

भाजपा पार्षद ने होमगार्डो को पीटा, वर्दी फाड़ी

आगरा। भाजपा पार्षद और जाने-माने कैटरर्ग कारोबारी संजय अग्रवाल ने ड्यूटी पर तैनात दो होमगार्डो की पिटाई कर दी। उनकी वर्दी फाड़ डाली। होमगार्ड का कसूर सिर्फ इतना था कि उन्होंने परिक्रमा मार्ग में गाड़ी खड़ी कर शराब पी रहे भाजपा पार्षद को टोक दिया था। रविवार रात में गिरफ्तार पार्षद को पुलिस ने सत्ता के दबाव में सोमवार सुबह थाने से ही जमानत दे दी। रविवार रात को शिवभक्तों की नगर परिक्रमा के चलते शाक्या मार्केट कमलानगर के सामने होमगार्ड धर्मवीर और घूरेलाल ड्यूटी पर थे। लगातार परिक्रमार्थियों का रेला गुजर रहा था। रात करीब 12 बजे भाजपा पार्षद संजय अग्रवाल (निवासी आशीर्वाद रेजीडेंसी, विजयनगर कॉलोनी) फोर्ड इंडीवर गाड़ी से अपने चार साथियों के साथ वहां पहुंचे। होमगार्ड घूरेलाल के मुताबिक, वे गाड़ी की खिड़की खोलकर खुलेआम शराब पी रहे थे। गाड़ी से परिक्रमार्थियोंका रास्ता अवरुद्ध हो रहा था, इसलिए उनसे वहां गाड़ी खड़ी कर शराब पीने से मना किया। इस पर संजय गाड़ी से उतर आए। आरोप है कि होमगार्ड से उल्टी-सीधी बात कहीं। कहा कि तुम हमें शराब पीने से रोकोगे? इतना कहने के साथ संजय ने थप्पड़ जड़ दिए। धर्मवीर का आरोप है कि कि उसकी वर्दी भी फाड़ दी। मारपीट के दौरान ही मौके पर इंस्पेक्टर न्यू आगरा नरेंद्र कुमार सिंह भी पहुंच गए। वे पार्षद को गिरफ्तार कर थाने ले आए।

20 साल से लड़कियों की ड्रेस पहन रहा है ये शख्स, लोग इसलिए कर रहे तारीफ

आजकल क्रॉस ड्रेसिंग बहुत आम हो गई है। पुरुषों द्वारा महिलाओं के कपड़े पहनने पर अब देखने वालों को ज्यादा हैरानी नहीं होती। लेकिन यह अलग मामला है। चीन में एक 50 साल का शख्स पिछले 20 वर्षों से लड़कियों की तरह कपड़े पहन रहा है। इससे उसकी बीमार मां बहुत खुश है। वह शख्स अपनी मां के लिए ही ऐसा करता है। चीन में उस शख्स की स्टोरी वायरल हो गई है।

यह है मामला...

–चीनी सोशल मीडिया वीबो पर इस पुरुष के जीवन पर बनाया गया एक वीडियो वायरल हो गया है।

–यह मामला चीन के ग्वांग्जी रीजन के गुइलिन शहर का है। पुरुष का नाम जाहिर नहीं किया

गया है।

–50 साल का यह पुरुष अपनी मां की खुशी और उसके स्वास्थ्य लाभ के लिए पिछले 20 साल से लड़की की तरह कपड़े पहन रहा है।

–दरअसल, 20 साल पहले इस पुरुष की बहन की मृत्यु हो गई थी। इससे उनकी मां सदमें में पहुंच गई। डॉक्टरों ने कहा कि उसे मेंटल इलनेस का भी खतरा है।

–इसी बीच इस शख्स के एक दोस्त ने सलाह दी कि किसी तरह मां के सामने उसकी स्वर्गवासी बेटी फिर से आ जाए, तो उसे सदमे से बाहर आने में मदद मिलेगी।

–इस सलाह के बाद शख्स अपनी स्वर्गवासी बहन के कपड़े पहनकर मां के सामने गया। इससे उसकी मां बहुत खुश हो गई और उसका दुख कम हुआ।

–तब से वह शख्स अपनी बहन की तरह ही कपड़े पहनता है। उसका कहना है कि अब तो उसके पास पुरुषों के कपड़े भी नहीं हैं। वह पूरे समय लड़की की तरह रहता है।

–इसके बावजूद वह खुश है, क्योंकि मां उसे इस रूप में देखकर खुश होती है। उसकी मां का कहना है कि मेरी एक बेटी गई, तो दूसरी आ गई।

–चीन के सोशल मीडिया यूजर इस अनाम शख्स की तारीफ कर रहे हैं। यहां तक वर्ल्ड मीडिया ने भी उस पर स्टोरी की है।

शरारती बच्चों ने मुसीबत में डाल दी थी कुत्ते की जान, ऐसा हो गया था हाल

जानवरों के साथ क्रूरता के कई मामले सामने आते रहते हैं। कई बार जानते-बुझते लोग जानवरों के साथ ऐसी क्रूरता कर जाते हैं, जिसके बाद उनकी मौत तक हो जाती है। ऐसा ही एक मामला तुर्की के इस्तांबुल से सामने आया था, जिसमें बच्चों ने 4 महीने के कुत्ते के बच्चे के साथ ऐसा मजाक किया कि बेचारा चल-फिर भी नहीं पा रहा था।

4 महीने के बच्चे का नाम पास्कल है। जब इसे बचाया गया था, तब इसकी बॉडी ग्लू से सनी हुई थी। उसके ऊपर मिट्टी और कचरे के चिपक जाने की वजह से उसकी बॉडी सीमेंट की तरह हार्ड हो गई थी। पास्कल को He'Art of Rescue नाम के एक आगेर्नाईजेशन ने बचाया था। बुरे हाल में पास्कल को सड़क किनारे एक बॉक्स में छोड़ दिया गया तह, जहां से कुछ लोगों ने इसे उठाकर He'Art of Rescue के हवाले कर दिया था। ग्लू पर गंदगी

के जम जाने की वजह से इसकी स्किन सीमेंट की तरह हार्ड हो गई थी। इतना ही नहीं, इसकी बॉडी में इन्फेक्शन भी हो चुका था।

इस तरह बची जान

He'Art of Rescue के सदस्यों ने देखा कि पास्कल चल भी नहीं पा रहा है। इसके बाद उन्होंने उसके बाल शेव कर अलग कर दिए। तब जाकर वो हिलने में कामयाब हुआ। उसकी पूरी स्किन लाल हो चुकी थी, जिस पर मौजूद जख्मों को दवाइयों की जरुरत थी। प्यार और केयर मिलने के बाद थोड़े ही दिनों में पास्कल एक नॉर्मल पपी की तरह बिहेव करने लगा।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता मिलेगी। यात्रा सफल रहेगी। विवाद न करें।

सिंह
घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। धनलाभ होगा। तंत्र-मंत्र में रुचि बढ़ेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। निवेश शुभ रहेगा।

धनु
बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक व सफल रहेगी। विवाद न करें।

वृष
व्ययवृद्धि होगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। विवाद को बढ़ावा न दें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धैर्य रखें।

कन्या
चोट, दुर्घटना, बीमारी व विवाद आदि से बाधा हो सकती है। जोखिम न उठाएं। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

मकर
लाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे। बुरी खबर से तनाव होगा। विवाद न करें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा।

मिथुन
डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। रोजगार प्राप्ति होगी। रुके कार्यों में गति आएगी। व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा।

तुला
तुला- पुराना रोग उभर सकता है। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कुंभ
कम प्रयास से अधिक लाभ होगा। पूछ-परख रहेगी। यात्रा सफल रहेगी। दूसरों के बहकावे में न आएं। लाभ होगा।

कर्क
कार्यपद्धति सुधरेगी। वरिष्ठजनों का सहयोग मिलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

वृश्चिक
भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोग व चोट से हानि संभव है। लाभ होगा।

मीन
अपरिचितों पर भरोसा न करें। शुभ समाचार मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा।

इस ट्रेन ने पूरी की 1.5 Lakh Km की यात्रा

राष्ट्रव्यापी दौरे पर पर निकली प्रतिष्ठित साइंस एक्सप्रेस प्रदर्शनी ट्रेन ने 1,53,000 किलोमीटर का सफर तय करते हुए नौवें चरण की यात्रा पूरी कर ली। सोमवार को महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग पहुंची साइंस एक्सप्रेस प्रदर्शनी ट्रेन अब तक 495 स्थानों पर प्रदर्शनी कर चुकी है और 1।64 करोड़ लोग इसे देखने आए।

साइंस एक्सप्रेस सबसे लंबी, सबसे अधिक लंबे समय तक चलने वाली और सबसे अधिक देखी जाने वाली मोबाइल साइंस प्रदर्शनी बन गई है। लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्डस में इसकी बारह प्रविष्टियां दर्ज हैं।

साइंस एक्सप्रेस भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) का एक प्रमुख कार्यक्रम है। इस ट्रेन में 16 एसी डिब्बे लगे हैं और यह देशभर में अक्टूबर 2007 से भ्रमण कर रही है।

एसईसीएएस जलवायु परिवर्तन और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर केंद्रित ट्रेन में लगी प्रदर्शनी में जलवायु परिवर्तन के बारे में संदेश दिया गया है। रोहा रेलवे स्टेशन पर 18 जुलाई को सार्वजनिक प्रदर्शनी के बाद यह ट्रेन 19 से 22 जुलाई तक मुंबई सीएसटी पर जनता के लिए उपलब्ध रहेगी और इसके बाद ट्रेन अपने यात्रा कार्यक्रम के अनुसार नौवें चरण की यात्रा के तहत

अगले गंतव्य स्थलों के लिए आगे बढ़ जाएगी।

साइंस एक्सप्रेस ने एक से चार चरण की यात्रा के दौरान दुनियाभर से लाई गई विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अत्याधुनिक अनुसंधानों का प्रदर्शन किया। पांच से सातवां चरण जैव-विविधता पर आधारित था, जिसे जैव विविधता विशेष (एसईबीएस) का नाम दिया गया था। आठवां चरण 'साइंस एक्सप्रेस क्लाइमेट एक्शन स्पेशल (एसईसीएएस)' के रूप में रहा, जिसमें जलवायु परिवर्तन की वैश्विक चुनौतियों पर प्रकाश डाला गया।

साइंस एक्सप्रेस के नौवें चरण की यात्रा का शुभारंभ 17 फरवरी को दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से किया गया था। एससीएसी का वर्तमान दौरा 17 फरवरी से 8 सितंबर, 2017 तक तय किया गया है, जिसके दौरान यह 19,000 किलोमीटर की यात्रा पूरी कर देश के 68 स्टेशनों पर प्रदर्शनी करेगी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बड़े काम के हैं ये छोटे-छोटे नुस्खे, डॉक्टर से रखेंगे दूर

आए दिन हमें सेहत से जुड़ी छोटी छोटी परेशानियों का सामना करना पड़ता है, जिसके लिए हम रोज डाक्टर के पास भी चक्कर नहीं लगा सकते। एसिडिटी, कब्ज, सिरदर्द, पेट फूलने और थकान जैसी परेशानियां आम ही सुनने को मिलती हैं इन्हें दूर करने के लिए अगर घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल किया जाए तो तुरंत आराम मिलेगा। इसी के साथ ब्यूटी से जुड़ी प्रॉब्लम का हल भी छोटे छोटे घरेलू नुस्खों से निकाला जा सकता है। आज हम आपको जो टिप्स बता रहे हैं वह आपके बहुत काम आएंगे।

हिचकी होगी तुरंत बंद

कई बार हिचकी आने पर रूकने का नाम ही नहीं लेती। ऐसे में ठंड़े पानी से गरारे करें या फिर बर्फ का टुकड़ा चूसें।

एसिडिटी को कहें बॉय-बॉय

एसिडिटी होने पर 2 हरी इलायची के दाने निकाल कर एक गिसाल पानी में उबाल लें। ठंड़ा होने पर पी लें।

डैंड्रफ नहीं करेगा शमिंर्दा

दो टेबलस्पून दही में, 1 टीस्पून मेथी दाने का पाउडर और 1 टीस्पून आंवला पाउडर मिलाकर पेस्ट बना लें और इस पेस्ट को आधे घंटे के लिए बालों पर लगाकर धो लें।

नहीं फूलेगा पेट

बहुत से लोगों को पेट फूलने की दिक्कत होती हैं। अक्सर गैस बनने के बाद ही यह परेशानी देखने को मिलती हैं। पेट में सूजन हो जाए तो 1 टीस्पून सौंफ को 1 कप गर्म पानी में डाल कर 10 मिनट के लिए ढक कर रख दें। इस पानी का दिन में 3 बार सेवन करें।

अनिद्रा की होगी छुट्टी

सोने से आधा घंटा पहले 1 गिलास गुनगुने पानी में 1 टीस्पून एप्पल साइडर विनेगर और शहद मिलाकर पीएं।

कब्ज से मिलेगी राहत

रात को 1 कप गर्म दूध में 1 टीस्पून आरंड़ी का तेल डालकर पी लें।

बदन दर्द से छुटकारा

एक कप हल्के गर्म पानी में एक चम्मच शहद और आधा चम्मच दालचीनी पाउडर मिलाकर पीने से भी बदन दर्द में राहत मिलती है।

थकावट होगी छूमंतर

ज्यादा काम करने के बाद थकावट महसूस कर रहे हैं तो डॉर्क चॉकलेट खाएं। इससे एनर्जी मिलेगी।

माइग्रेन का जिद्दी दर्द

इस दर्द से राहत पाने के लिए दो बूंद गाय के शुद्ध देसी घी की नाक में डालें।

फायदे ही नहीं, नुकसान भी पहुंचाता है इसबगोल

गलत खान-पान की वजह से लोगों को पेट की कई समस्याएं हो जाती हैं। एसिडिटी, पेट फूलना और कब्ज की समस्या आम सुनने को मिलती है जिसके लिए लोग कई तरह की दवाओं का सेवन करते हैं। इन्हीं में से एक है इसबगोल, जिसे डॉक्टर गैस के रोगी के लिए फायदेमंद बताते हैं। इसबगोल में काफी मात्रा में जिंक, कॉपर और मैंगनीज होता है जो पेट को साफ करके कब्ज की समस्या को दूर करता है लेकिन इसका अधिक सेवन करने से शरीर को नुकसान भी पहुंचता है जिसके बारे में बहुत कम लोग ही जानते होंगे।

दवाएं नहीं करती असर

जो लोग किसी बीमारी की वजह से रैगुलर दवाओं का सेवन करते हैं और इस दौरान पेट की समस्या होने पर इसबगोल भी खाते हैं तो दवा अपना असर दिखाना बंद कर देती है। इसबगोल दवा को सतह पर ही रोक लेता है और खून में घुलने नहीं देता जिस वजह से शरीर को नुकसान पहुंचता है।

पोषक तत्वों को करता है अवशोषित

इसबगोल का अधिक सेवन करने से शरीर में मौजूद जिंक, कॉपर और मैगनीज जैसे मिनरल तत्व मल के रास्ते शरीर से बाहर निकलने लगते हैं। जिस वजह से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है और हड्डियों में भी दर्द होने लगता है।

पेट में सूजन

इसमें काफी मात्रा में फाइबर होता है जो कब्ज और एसीडिटी की समस्या से छुटकारा दिलाता है लेकिन जब इसका अधिक सेवन करते हैं तो शरीर में फाइबर की मात्रा बढ़ जाती है जिससे पेट में सूजन हो जाती है और दर्द होने लगता है।

बरसात में लें टेस्टी मशरूम क्रीम सूप का मजा

बरसात के मौसम में गर्मागर्म और टेस्टी खाने का मन करता है। ऐसे में मशरूम क्रीम सूप बैस्ट ऑप्शन है। आज हम आपको इसकी रैसिपी बताते हैं।

सामग्री

मशरूम- 600 ग्राम
प्याज- 1(कटा हुआ)
लहसून- 3 कलिया (बारीक कटी)
ताजा हरा धनिया- 1 कप (कटा हुआ)
जैतून का तेल- 1 टेबलस्पून
वैजीटेबल स्टॉक- 1.5 लीटर

क्रीम- 75 मि.ली.
ब्रैड क्रम्स- स्लाइस में काटे हुए
नमक- स्वादानुसार
काली मिर्च- स्वादानुसार

विधि

1. मशरूम को साफ कर बारीक काट लें।
2. पैन में तेल गर्म करें और प्याज, लहसून और धनिया डाल कर भून लें।
4. अब इसमें मशरूम डालें और सॉफ्ट होने तक पकाएं।
5. अच्छी तरह पक जाने पर इसमें वैजीटेबल स्टॉक मिलाएं15 मिनट तक नमक डालकर पकाएं।
6. फिर सारे मिश्रण को मिक्सी में पीस लें और पैन में दोबारा क्रीम डालकर गर्म करें।
7. गर्मागर्म सूप तैयार हैं। ब्रैड क्रम्स व मशरूम के 1-2 पीस के साथ गार्निश करें।

हाई ब्लड प्रैशर को ऐसे रखें कंट्रोल

किसी ने सच ही कहा है जैसा खान-पान वैसी सेहत। भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग इतने व्यस्त हो चुके हैं कि किसी के पास अपनी सेहत का ध्यान रखने का टाइम नहीं। इसी वजह से लोग किसी न किसी बड़ी बीमारी से ग्रस्त होते जा रहे हैं। जिनमें से एक हाई ब्लड प्रैशर की बीमारी है। यह बीमारी भले ही सुनने में मामूली लगती है लेकिन हृदयाघात और अन्य हृदय रोग का कारण हाई ब्लड प्रैशर ही है। पहले समय में यह समस्या केवल बढ़ती उम्र में दिखाई देती है लेकिन बदलते लाइफस्टाइल और खान-पान की आदतों के कारण कम उम्र के लोगों में भी हाई ब्लड प्रैशर की परेशानी देखने को मिलती है। उच्च रक्तचाप को नियंत्रित रखना बहुत जरूरी है क्योंकि यह अन्य कई बीमारियों के बुलावा देता है। अगर आप भी हाई ब्लड प्रैशर से गुजर रहे है तो डॉक्टरी सहायता के साथ-साथ कुछ घरेलू तरीके अपनाकर देखें।

हाई ब्लड प्रैशर लक्षण

- चक्कर आना
- सिर घूमना
- शरीरिक क्षमता कमजोर
- अनिद्रा की समस्या

हाई ब्लड प्रेशर के लिए घरेलू उपाय

- लहसुन

हाई ब्लड प्रैशर में लहसुन का सेवन काफी फायदेमंद साबित होता है क्योंकि यह रक्त में थक्का नहीं जमने देता और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखता है। इसलिए आप लहसुन की

कली लेकर ऐसे ही चबा सकते है या खाने में इसका इस्तेमाल कर सकते है।

- आंवल का रस

आंवला कई औषधियों गुणों से भरा होता है जो शरीर को बिल्कुल फिट रखता है। 1 चम्मच आंवले के रस में थोड़ा सा शहद मिलाकर सुबह-शाम पीएं। इससे हाई ब्लड प्रैशर कंट्रोल रहेगा।

- काली मिर्च

ब्लड प्रैशर बढ़ने पर आधा गिलास गर्म पानी में काली मिर्च पाउडर मिलाएं और 2-2 घंटे बाद इसका सेवन करें। इससे ब्लड प्रैशर कंट्रोल रहेगा।

- नींबू का रस

बढे हुए ब्लड प्रैशर को नियंत्रित करने के लिए आधा गिलास पानी में नींबू निचोड़ लें। फिर इसे 2-2 घंटे के अंतर से पीते रहें। इससे काफी फायदा मिलेगा।

- तुलसी

तुलसी के पत्ते और दो नीम की पत्तियां लेकर पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को पानी में घोलकर खाली पेट सुबह पिएं। ऐसा रोज लगातार करने से 15 दिन में आपको असर दिखाई देगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

स्पोर्ट्स हलचल

मुंबई, बुधवार
19 जुलाई, 2017

भरत अरुण टीम इंडिया के बॉलिंग कोच बने

वर्ल्डकप 2019 तक संभालेंगे जिम्मेदारी

नई दिल्ली। नवनियुक्त मुख्य कोच रवि शास्त्री की मांग को स्वीकार करते हुए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने पूर्व तेज गेंदबाज भरत अरुण को भारतीय क्रिकेट टीम का गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है, इससे इस पद को लेकर पिछले कई दिनों से चल रहा नाटकीय घटनाक्रम भी समाप्त हो गया। शास्त्री वर्ष 2014 से 2016 तक जब भारतीय टीम के निदेशक थे तब भी अरुण गेंदबाजी कोच थे। उन्होंने जल्द ही शुरू होने वाले अपने दूसरे कार्यकाल के दौरान भी अरुण को ही यह जिम्मेदारी सौंपने के लिये कहा था। अरुण को दो साल के अनुबंध पर नियुक्त करने का फैसला शास्त्री की प्रशासकों की समिति (सीओए) तथा कार्यवाहक अध्यक्ष सीके खन्ना और सचिव अमिताभ चौधरी सहित बीसीसीआई अधिकारियों से मुलाकात के बाद किया गया। विजयवाड़ा के भरत अरुण 80 के दशक में भारत के लिए दो टेस्ट और चार वनडे मैच खेल चुके हैं।

उन्होंने दिसंबर 1986 में श्रीलंका के खिलाफ कानपुर में टेस्ट डेब्यू किया था। इसी वर्ष उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ अपने वनडे करियर का आगाज किया था। टेस्ट क्रिकेट में 4 और वनडे में एक विकेट उनके नाम पर दर्ज हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट में भरत अरुण ने भले ही कम मैच खेले हैं लेकिन प्रथम श्रेणी क्रिकेट में खेलने का पर्याप्त अनुभव

उनके पास है। 48 मैचों में 32।44 के औसत से 110 विकेट उनके नाम पर दर्ज हैं। चौधरी के संवाददाता सम्मेलन में नियुक्ति की घोषणा करने के बाद शास्त्री ने कहा, मेरी अपनी मुख्य टीम को लेकर सोच स्पष्ट थी और आपने अभी उसके बारे में सुना। इसके अलावा बीसीसीआई ने वनडे वर्ल्डकप 2019 तक संजय बांगर को सहायक कोच और आर श्रीधर को फील्डिंग कोच नियुक्त करने का भी फैसला किया। उनकी नियुक्ति का मतलब है कि बीसीसीआई ने पूरी तरह से यू टर्न लिया है। उसने पहले जहीर खान को गेंदबाजी सलाहकार नियुक्त किया था और बाद में स्पष्टीकरण दिया था कि यह केवल विदेशी दौरों के लिए है। राहुल द्रविड़ की बल्लेबाजी सलाहकार पद पर स्थिति को लेकर भी कुछ स्पष्टता नहीं है। जहीर और द्रविड़ के बारे में पूछे गये सवाल पर शास्त्री का जवाब था, यह सब उनकी उपलब्धता पर निर्भर करता है। यह एक व्यक्ति पर निर्भर करता है कि वह कितने दिन टीम को देना चाहता है लेकिन उनकी राय अमूल्य होगी और उनका स्वागत है।

रवि शास्त्री अपनी नियुक्ति की घोषणा के समय लंदन में थे। उन्होंने इस महत्वपूर्ण पद पर उनका चयन करने के लिए क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) का आभार व्यक्त किया जिसमें सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली और वीवीएस लक्ष्मण शामिल हैं। उन्होंने कहा, मैं सीएसी का आभार व्यक्त करना चाहूंगा क्योंकि भारतीय टीम का कोच बनना बड़ा सम्मान है। मैं सीएसी का इसलिए भी आभार व्यक्त करता हूं कि उसने मुझे इस पद के लायक समझा।

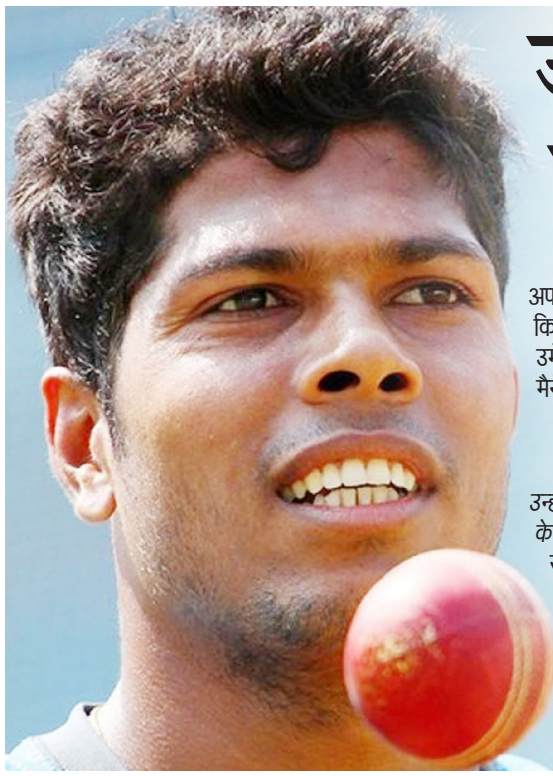

उमेश यादव को मिली सरकारी नौकरी

नई दिल्ली। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज उमेश यादव ने सरकारी नौकरी हासिल कर अपने पिता का 10 साल पुराना सपना पूरा कर दिया है। उनके पिता तिलक यादव का सपना था कि उनका बेटा सरकारी नौकरी में काम करे और अब उनकी यह इच्छा यादव ने पूरी कर दी। उमेश यादव अब रिजर्व बैंक के अधिकारी बन चुके हैं। सोमवार 17 जुलाई को उन्होंने असिस्टेंट मैनेजर पद के लिए सभी औपचारिक्ताएं पूरी कीं।

पुलिस विभाग में कर चुके हैं अप्लाई

सरकारी नौकरी हासिल करने के लिए यादव पहले भी मेहनत कर चुके हैं, जिसके लिए उन्होंने पुलिस की भर्ती भी देखी थी। उन्होंने 10 साल पहले पुलिस विभाग में कॉन्स्टेबल पद के लिए अप्लाई किया था पर वे एग्जाम में कामयाबी हासिल नहीं कर पाए। यादव अब बैंक की सरकारी नौकरी हासिल कर चुके हैं और वह नागपुर ऑफिस में असिस्टेंट मैनेजर का पद संभालेंगे। खबरों के अनुसार उमेश यादव की इस नौकरी के लिए बातचीत चैम्पियंस ट्रॉफी 2017 के पहले से चल रही थी। स्पोर्ट्स कोटा के तहत मई 2017 में ही उनकी नौकरी पक्की हो गई थी लेकिन इंग्लैंड दौरे के चलते वह औपचारिक्ताएं पूरी नहीं कर पाए। सूत्र ने आगे कहा, 'आरबीआई से बेहतर संस्थान उन्हें नहीं मिल सकता। हालांकि आईपीएल की वजह से वह अधिकतर मौजूदा क्रिकेटरों की तरह आर्थिक रूप से सुरक्षित हैं लेकिन एक सिक्योर जॉब होना हमेशा अच्छा होता है।'

इरफान पठान शेयर की पत्नी के साथ तस्वीर

भड़के यूजर्स

नई दिल्ली। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज इरफान पठान को अपनी बेगम से प्यार जताना भारी पड़ रहा है। पठान ने रविवार को अपने फेसबुक अकाउंट पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह और अपनी बेगम सफा बेग के साथ नजर आ रही हैं। पठान ने दिस गर्ल इज ट्रबल कैप्शन के साथ तस्वीर अपलोड की है। पठान के तस्वीर पोस्ट करने से उनके प्रशंसक और कुछ कट्टरपंथी मुसलमान भड़क गए हैं।

यूजर्स ने किए अजीब कमेंट

पोस्ट में पत्नी के हाथ और चेहरे को लेकर अजीबो-गरीब कमेंट किए जा रहे हैं। एक यूजर ने पठान से कहा कि वह अपनी पत्नी को ढ़ककर रखें, सार्वजनिक तौर पर चेहरा न दिखाएं। वहीं एक दूसरे यूजर लिखा कि अपनी पत्नी को मुसलमान बना कर रखना आपकी जिम्मेदारी है, इसका निर्वहन करना चाहिए।

आज आधा तो कल पूरा हिजाब उतार देंगी

फारुक शाह नाम के यूजर ने कमेन्ट किया कि आजा आधा, कल पूरा, फिर हिजाब उतार दिया जाएगा और अंत में हया भी खत्म हो जाएगी एक और यूजर ने नेल पॉलिश के बजाय मेहंदी का प्रयोग करने की नसीहत दी है। मुहम्मद आश्मान नाम के यूजर ने फोटो की तारीफ की लेकिन इस्लाम का हवाला देते हुए कहा की महिलाओं को चेहरा ढ़का कर रखना चाहिए। इस्लाम ऐसे प्रदर्शन की इजाजत नहीं देता।

मोहम्मद शमी की फोटो पर भी हुआ था ट्रोल

इरफान पठान ने पिछले साल फरवरी में जेद्दाह की मॉडल सफा बेग से निकाह किया था। कुछ समय पहले भारतीय टीम के स्टार गेंदबाज मोहम्मद शमी के साथ भी इसी तरह का मामला सामने आया था जिस पर उन्होंने काफी दमदार जबाव दिया था।

मोहम्मद आमिर ने कोहली को बताया दुनिया का बेस्ट बल्लेबाज

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच जब भी क्रिकेट मैच होता है, तो दोनों देशों के क्रिकेट प्रेमियों का उत्साह सातवें आसमान पर होता है। साथ ही एक दूसरे पर निशाना भी साधा जाता है। लेकिन खिलाड़ियों के बीच खेल भावना और अपनापन बरकरार रहता है। क्रिकेट के मैदान पर भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली और पाकिस्तान के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर भले ही जबरदस्त प्रतिद्वंद्विता के लिए जाने जाते हो, लेकिन मैदान के बाहर इन दोनों के बीच बेहद दोस्ताना संबंध हैं।

भारत-पाकिस्तान के क्रिकेटर एक दूसरे की तारीफ भी करते हैं। सोमवार को भी ऐसा कुछ हुआ। पाकिस्तानी गेंदबाज मोहम्मद आमिर ट्विटर पर अपने प्रशंसकों के साथ चैट कर रहे थे। एक यूजर

ने उनसे पूछा कि उनकी नजर में विश्व का सबसे बेहतरीन बल्लेबाज कौन है? मोहम्मद आमिर ने एक शब्द में जवाब दिया-विराट कोहली। मोहम्मद आमिर के इस जवाब के बाद तो भारतीयों ने कमेंट बॉक्स में उनकी तारीफों के पुल बांध दिए। एक अन्य यूजर ने थोड़ा घुमाकर यही सवाल मोहम्मद आमिर से पूछा, जो रूट, विराट कोहली, केन विलियम्सन, स्टीव स्मिथ में कौन बेस्ट है? आमिर का जवाब था-सभी अच्छे हैं लेकिन निजी तौर पर विराट कोहली।

एक यूजर ने आमिर से पूछा कि भारतीय बल्लेबाज रोहित शर्मा ने उन्हें साधारण गेंदबाज बताया था, तो उन्हें गेंदबाजी करते हुए आपको कैसा लगता है? इस पर आमिर ने कहा, जैसा बाकी बल्लेबाजों को करके लगता है। आमिर ने हिन्दी फिल्म हाफ गर्लफ्रेंड के गाने मैं फिर भी तुम को चाहूंगा को अपना पसंदीदा गाना बताया। ट्विटर चैट पर मोहम्मद आमिर अपने खेल और निजी जीवन दोनों से जुड़े सवालों के जवाब दिए। आमिर ने पूर्व पाकिस्तानी गेंदबाज वसीम अकरम को अपना ऑल टाइम फेवरेट आइकॉन बताया। आमिर ने एशिया कप 2016 में भारत के खिलाफ अपनी गेंदबाजी को अपना सबसे अच्छा स्पेल बताया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

अनुष्का ने कराया BOLD फोटोशूट

फिल्लौरी के बाद बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने फोटोशूट करवाया हैं। यह फोटोशूट फिल्मफेयर मैगजीन के लिए कराया है जिसमें वह बहुत ही खूबसूरत नजर आ रही हैं। अनुष्का की ये तस्वीरें फिल्मफेयर ने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट की हैं। अभिनेत्री इस महीने फिल्मफेयर मैगजीन के कवर पेज पर नजर आएंगी। अगले महीने अनुष्का की फिल्म जब हैरी मेट सेजल में नजर आएंगी जिसमें उनके साथ शाहरुख खान हैं। एक फोटो में वह कुर्सी पर बैठी नजर आ रही है साथ ही उन्होंने बैकलैस ड्रैस पहनी हुई है। इस अलावा खुद अनुष्का की भी एक फिल्म प्रोड्यूस कर रही हैं जिसका नाम परी है। इस फिल्म का पोस्टर कुछ दिनों पहले ही रिलीज हुआ है। इससे पहले अनुष्का सलमान खान के साथ फिल्म सुल्तान में नजर आई थीं। इन दिनों अनुष्का न्यूयॉर्क में छुट्टिया मनाने पहुंची हैं। अनुष्का के साथ उनके ब्वॉयफ्रेंड विराट कोहली भी हैं।

'हसीना' श्रद्धा ने तोड़ा शाहरुख-काजोल की फिल्म DDLJ का रिकॉर्ड

फिल्म अभिनेत्री श्रद्धा कपूर की फिल्म 'हसीना पारकर' का ट्रेलर मुंबई के मराठा मंदिर सिनेमा हॉल में लॉन्च किया गया। इसके चलते शाहरुख खान की फिल्म 'दिलवाले दुल्हनियां ले जाएंगे' का शो रद्द करना पड़ा। फिल्म अभिनेत्री श्रद्धा कपूर की फिल्म 'हसीना पारकर' का ट्रेलर मुंबई के मराठा मंदिर सिनेमा हॉल में लांच किया गया। इसके चलते शाहरुख खान की फिल्म 'दिलवाले दुल्हनियां ले जाएंगे' का शो रद्द करना पड़ा। बता दें मुंबई का मराठा मंदिर थिएटर वैसे तो सिंगल स्क्रीन है, लेकिन शाहरुख खान और काजोल की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' रिलीज होने के बाद से ही आज तक इस सिनेमाघर में चल रही है और आज भी लोग इस फिल्म को देखने वहां जाते हैं। मंगलवार को श्रद्धा कपूर की आने वाली फिल्म 'हसीना पारकर' का ट्रेलर यहां रिलीज हुआ। इसके चलते पिछले लगभग 22 सालों से इस थिएटर में चलती आ रही फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' की स्क्रीनिंग पहली बार रोकी गई। 'हसीना पारकर' में यह भी दिखाया गया है कि किस तरह पहले हसीना एक सामान्य महिला का जीवन बिता रही है और जब उसके पति को अरुण गवली का गैंग मार देता है तो वह दाऊद के गैंग में शामिल हो जाती है। इसके बाद हसीना पार्कर नागपाड़ा की 'गॉडमदर' बन जाती है। यह फिल्म 18 अगस्त, 2017 को रिलीज होगी।

नए घर में शिफ्ट हुई ऋचा चड्ढा

बॉलीवुड अभिनेत्री ऋचा चड्ढा ने अपने नए घर में प्रवेश कर लिया है। ऋचा ने इसी सप्ताह इंस्टाग्राम पर अपने नए घर की तस्वीरें साझा की। ऋचा ने कहा, दिल्ली की होने की वजह से मुझे खुली जगह की आदत है और इस अपार्टमेंट में समुद्र का खुला नजारा और हरियाली है। अब मैं निमार्ता भी हूं, तो मुझे ऑफिस के काम और नई पटकथा का निर्माण करने के लिए खुला स्थान चाहिए, इसलिए सही समय पर मैं यहां आ गई। ऋचा अपने घर के डिजाइन और साज-सज्जा के हर पहलू पर व्यक्तिगत तौर पर ध्यान दे रही हैं। वह जल्द ही अपने नए घर पर पार्टी का आयोजन करेंगी।